

M. T. R. COLLEGE, SURAT

Manuscripts Library

No. Ref.

Ser.

12/2

Title: *Vaishya Satika*

Prakrit
2

Incomplete

C	:	Vairāgyasātaka (?) an Arth. work	:	Title
:	:	with Guj. narratives	:	
:	:		:	Author
:	:		:	Editor
:	:	Fairly old	:	Year, Vols.
As the	:		:	Publisher
2	:	First few fol. missing	:	Remarks

Prakrit

[illegible]

दृष्टान्तदेषामुद्बद्ध अष्टादशवर्तनद्विषद श्रीआदिनाथमाहपुद्गतासाललात्तरतवक्रवर्तिन
हिमूर्वितघकोष्ठघटीनद्विषदपम्पो आलोढवामाम्यो तिवारदंद्दंद्दं आवीत्तरतवक्रवर्तिन
गलद विलगीरोखुंसीषकं पढदसोकरहितघया राज्यालतायालतायां बलाघवरसगयां एहवे
एकदासमयतद्विषद लरतवक्रवर्तिआरीसालुवननद्विषदबद्धा पोतानारूपनीसालाजो
दृष्टद एहवदं एकविटीआंगुलीमुद्रिकारहितमाटीदीसवामांसी मनमाहिं विवारवामाम्यु जेबी

कण्टकरद्वय एलिपुत्रनिप्रधानमारसि सीमामाराजातेमीराज्यपोतानेहाधेकी कं व ॥ इवुडमु
 धुववतसांलली राजरिषिध्यानधीचको आर्त्तध्यानरौप्रधानमाहिंपयवो कं एतेप्रधानजेमाह
 रापुत्रनेमारे एहवुंवीतवीमनसुंयुद्धकरवामुं सातमीनरगष्टाधवीनांदलमेलां एहवदराजाश्री
 एकदहांधीचलां प्रसन्नवंदराजरिषिनेदेवी हाधीनास्कंधधकीऊतरी विणिपदक्षिणादेईवांछा
 स्तवनाकीधी धन्यचुराज्यतांमीदीहालेई एहवीतपस्याकरद्वय इत्यादिकस्तवनाकीधी धन्य
 नेश्रीमहावीरनेवांहीनेपुबं कदोलगवंतमेप्रसन्नवंदराजकृषिनेवांछा तलेसमयकालकरद्व
 तोप्रसन्नवंदराजकृषिकेहीगतिजाइं तिवारेलगवंतदकदं सांललश्रेणिकजोतेलेसमयकाल
 करद्वतोसातमीनरगिजाइं एहवुंसांललीविस्मयणमोघकोबइतोबइ एहवदइहांप्रसन्नवंदरा
 जरिषिरौप्रधानमाहिंवर्ततइवयरीस्कंधयुद्धकरतां सर्ववयरीमास्या एकवयरीरह्यो हवीआर
 सर्वपुटा मनमाहिंवीतवुं जेएकवयरीरह्योवे तेहनेटोयइकरीमारीस इमकीतवीमाधिहाध
 घाल्यो मायइंतालिदेवीमनमाहिंवेत्यो हाहाधिगस्तऊउमुऊनइमइंध्यानध्यासुं कोहनापुत्र
 कोहोचुराज्यकं एतेवयरी मेसर्वविरतिआदरी इत्यादिक अनित्यपणुंध्यातां जिमइंध्यानइंकरी
 पातमीनरगनांदलमेलां हतां तिमशुक्लध्यानइंकरी सातमीबधीपांचमीइमकरतां उवाचढतां २
 ॥ इतिनां ॥ श्रीपुत्रुकमिंघातीकर्मधदयकरी केवलज्ञानउपउं तिवारइंदेवइंडसी

साललाराज कइलगवंतइनेषुबं लगवंतउद्वोद्वणंकद्वंद्वं जेसातमीनरा
 धवदी अनइ एतलामाहिजकेवलजानकिमऊपुं तिवारइसर्वणविलोसंबंधराजाश्रेणिकने
 लगवंतइकद्वो घणाजीवप्रतिबोधयाम्मा तेमाटेधर्मआत्मातीसापिजकसोपमाण एप्रसनेव
 इराजकृषिनीकथा एतलेधकथाधइ

वेसोविक-वेपणितोयो	असंजमणसुक-असंयमणदवारि	किंक-सुपरियत्रिय	विसंक-विपनमारइयलार	धम्मक
सुहपतिप्रमुषयतीतिग	वनागुणरहितसावद्यवापरनइवि	क-यालदीइवेसंक-वे	मंत्रमात्रलेईविषरवाइते	धम्मनइ
तेअण्णमाणिक-अप्रमा	धइ वदमाणस्सक-वर्ततोचालतोष	वेवजिमकोइकपुस	सुनमरइजएलावजाणवो	
एलेखइनही	का	वविषाहितगारमी	नमारइखद्यतेक-खाइउ	
		नोवेव	धकं	

वेसोविअण्णमाणो असंजमणसुवदमाणस्स किंयरियत्रिवेसं विसंनमारइखद्यते ११ धम्म

ररकइक-राषइ	संकइक-संकाइकमार्गइचालतोवेसे	उमगोणक-उन्मार्ग	ररकइक-राषइकिमरायाक	अण्णक
वेसोक-वेव	एक-वेवइकरीनइदिरिकउमिक-दि	नइविषइ पमंतक	जिमराजा जणवउवक-देश	आतमा
	हालीधीवइ अरुंक-मइएरुंविवा	पमताधकानइ	नालोकने बोरीकरताअण्ण	नइ
	इइ		यकx	

ररकइवेसो संकइवेसेणदिरिकउमिअहं उमगोणपमंतं ररकइरायाजणवउव १२ अण्ण

रतोवारइ एतलइवेवप्रमाणराणो १२

जलक जेहवइललइलेमइलावइदि	अण्णक-आत्माअरे	सुहावहंक-सुखउंकारणलोइ	जजक
उक-रइइवइतेअनेरोनजाणइतेमा	जीवकरइकरजेतंतह	एतलइवाद्यलोकनीरेजनाक	जेजे
देअण्णक-आत्मातीसरिकउक-सावे	क-तेतिमजलक-जिम	णकामनीमतनोजलावअनअ	
धम्मोक-धर्मकहीइ	अण्णक-पोतानाआतमा	अलकर्मबंधउंकारण	
	नइ		

जाणइअण्ण जहद्विउअण्णसरिकउधम्मो अण्णकरइतंतह जहअण्णसुहावहंदोइ १३ जं

समयंक-समयन	आविसइक-आवइयरिणामइवर्तइ	सोक-तेतमितंमिक	सुहाक-लउंअअरुंक-अ	धम्मोक
इविषइ जीवोक	जेणजेणक-जिणइजिणइललइअ	तेतेसमएक-समयने	अनमाहुं वेधएक-बाधइ	धर्म
जीव	धवालेमइलावेणक-लावइ	विषइ	कम्मक-कम्मपतइ	

जंसमयंजीवो आविसइजणजेणसावेण सातमितंमिसमए सुहासुदंबंधएकम्मं १४ धम्म

मणक-मदअरुंकारे	तोतविक-तोएवातनलोतजेसी	संवच्चरक-वरसदिला	बाजबलीक-बाजबलसाधतहक-तथाध	वेसादेम
करीनेजंतोक	ताउकक-तापइवायक-वाय	मालगइमणसितक	कारइतिमकिलेसंतोक-सुंकोराहितनास	दीइ
जंतो	इविप्रमितक-तेणिआकलोकी	आहारपापइ	वधाधकारइनसहतजीअरुंकारेधर्महोततो	

मणकंतो तोतविसीउकवायविप्रमीउ संवच्चरमणसित बाजबलीतहकिलेसंतो १५

॥हवइअहंकारकसंधर्मनऊइ तकरिबाजबलिनोहृष्टांतकहइवइ धम्मोमणण १५ इहोकथा
 श्रीकृष्णदेविदीहालीधी तिवारइसोवेदानइराज्यविधी आणु सरतनइविनीतानगरीचुराज्य
 पुं बाजबलिनइ वज्जलीदेशचुराज्यअण्णं बीजाअंगवंगादिकवेदानइ अंगवंगादिकदेशविधि
 अण्णवइ कृष्णदेवेदिहालीधी एकहजारवरसधयांतिवारइइ

इने आणमनावी तेण लाई राजा बोली श्री कृष्ण देव पासंदी
 सरत चक्रवर्ति दखं मसाधी विनीतान मुरीनडं विषय आवा पणिते सरत आवा सुखं गोला ना दिने
 वड ति वारं प्रधानने प्रबं प्रधानने कसं जे बाऊ बली उद्वारा लाई आणन बाका नतो ते माट
 चक्र आवा धगाला इन घी आवडं ति वारं सरत लाई लगी इत मो कल्यो इत चाल्यो २ बाऊ बली
 देशन विषय गो तिहां स्त्री ए प्रबं उकण वड ति वारं इत कसं कं सरत राजा नो इत हं अने
 बाऊ बलिण सडं जा उंहु ति वारं ते स्त्री क हं सरत ते कण वड सरत तो अद्वारी कं चली ए वर ति
 वारं इतें वीतं जे हनो ए वर लो क उ कं ट वे ते हनो राजा के ह वो ह स्प इ म वी त वी ता के त ले क
 दिवसे त ह सिलान गरी इ उ ह तो तिहां बाऊ बलि राजा सला प्री यो ताना वण लाय वे टा ते मा हिं
 व मो वे तो सो मय सा ते ह न इ वी स ह जार स्त्री ते ह ना पुत्र श्रेयां स प पुत्र व १२ ह जार इ म पुत्र यो वा
 द क इ पर व स्यो महा ते ज का ति सूर्य नी परि दे दी प मां न व को इतें दी वो लय लां त व को इत बो ल्यो
 मा हारा जा उद्वार इ लाई सरत चक्रवर्ति उद्वार ने उद्वार क ह्यो वड अने क क वड जे च कर त्र आवा
 धगाला न इ विषय न घी आवडं ते माट इ मा हरी आण दाण मान यो ए वं स ल ली मु ह व टा कं रा तां
 लो च न करी बाऊ बलि बो ल्यो अरे ह त ता हरी वा कर ने अ जी ला ज न घी जे माट इ ए अ धा णे लाई उं
 राजा लेई वर वं नो धणी व यो तो हि पणि वृ पति न व ड जे मा ह रं राजा ले वा वां व डं वे ते दि द्या मा वी स
 जे ना न एण इ र म तां द मा नी परि उं वो क बालि प म तो काल्यो ह तो वली कं ते ह जं हु राजा नो व

न करे मि पण इ तो व द ह लो आ व जे पणि आण तो श्री ता त जी नी ज मा न वी इ म क ही इ त ने नि लं
 इ त इ आ वी स र व त सर त न इ क ही ति वार इ सर त च क्र व र्ति न इ को ध व व्ने ए व ड यो ता ना स
 वा को मि पु त ते ह मा हिं व मो आ दि त य त्रा ते ह ना पु त्र म हा य त्रा पु पु त्र व स वा ला ष ते स हि त यो ता नी क ह
 लेई व ड ली दे स नी संधि आ वी प म्यो बाऊ बली पणि यो ता उं क ट क द ल लेई सा ह मो आ वो मा लो मा हिं
 यु ध यं घ णा लो क नो स हार वा वा मा न्यो इ म यु ध कर तां वार व र स यं ति वार इ इ आ वी वे कं ने स म क
 व्या उ लो कृ ष ण ना पु त्र व डं सु क ट क म रा वो वो उ लो वे लाई मा लो मा हिं वृ ष्टि यु ध १ व व न यु ध २ बाऊ
 यु ध ३ वृ ष्टि यु ध ४ दं म यु ध ५ ए वां व यु ध करो ए वां वे यु ध जे हा स्यो ते हा स्यो अ न इ जी तो ते जी तो ए वं
 इ ड उं व व न स ल ली प हिं वृ ष्टि यु ध क सं ति हां सर त हा स्यो बाऊ बलि जी तो ए वी दे व ता वा णी व
 इ बाऊ बलि क परि क ल वृ ष्टि व ड वी उं व व न यु ध क सं ति हां पणि सर त हा स्यो वी जो बाऊ यु ध क
 स्यो वो कं वृ ष्टि यु ध क सं पां व सुं दं म यु ध क सं इ म पां व म इ यु ध इ सर त हा स्यो ति वार इ को ध न इ व स्यो
 ला इ उ परि व क सु क्युं ते व क बाऊ बलि न इ प्र द षि णा देई सर त णा स ड ग यु जे मा ट इ गो व मा हिं व क न पि
 र इ ह वे सर त वि मा से जो अ मो घ स स्र या उं फि सं तो स ही ए राजा ले स्प इ ह वे व क सु क्यो बाऊ बलि न इ
 ए व व ड जो इ ला इ मा ह रं म स्त क वे द वा तां इ की कं तो कं व क न इ अ न इ च क्र व र्ति वे ह न इ वृ ष्टि करी
 ए व ड ही वृ ष्टि क य मी को ध व टा वी सर त सां ह मो धा यो ए त ल इ ति वार क प तो हा हा सुं व स्यो ए
 ए व ड म र स्यो उ र वं म रं स्यो कृ ष ण ना वं ग न इ क लं क ला ग स्यो लो क मा हिं हा हा कार वा मां

कर्मिना वेदनाद् अंघ्रिनी वेदनाऽप्यसात रोग जीमीव स्व आतरण परिहरी सत्ता इव इति विचार इति १
 लण रूप देवता निरूप्य जो वा ते म्या सत्ता नै विषयं रूप देवी रोग ऊपना जाणी देवता एमा कंकणी नीचे
 जो इति विचार इति कवर्तिक ह्यो उलोति विचार माहं स्वरूप वषाणु ह्यु अत इव इति मा कंकणी
 विचार देवता कहें ते वेला इति स्वरूप ह्यु ते रूप ह्यु वणां नधी सात रोग ऊपना इति विचार इति सरीर विण
 स इति जे कर ह्यु ते कर ये विचार इति कवर्तिक ह्यु उलोकि मजाणो ते कहें अले देवता अवधि
 ज्ञान करी जाणुं इति इति ताहं रूप वषाणु ते माटे बालण उरुप करी जो वा आया हता इति मक ही दे
 वता देव लोकिंगया पठइ ते तल इति जव वन इति राज्यामी विनयं धर आचार्य पास इति दिहाली धी बमहि
 नाता इति विचार के मिं फिस्सो एणि लणार मात्र नक्षको सात रोग सात स इति वर सलग इति अहीया स्या वर
 अधमादिक तप कष्ट कर तां अने कल बधि उपती वर वली ते ह्यु जइ देवता वैद्य नो रूप करी परिहाक
 रवा आया तो स्वामी अले विद्य ह्यु अमार इति अधमान निर्विद्य उषध वर ते लो जिम उल्लर रोग जाइ
 तवार इति कवर्तिसा क कहें उलो अंतरंग कर्म रोग उषध जाण ताहो तो करे अत इति वाद्य रोग तो ऊप
 णि ताहो इति मक ही अंगुली कंक इति यमी तपल इति सोना मय की धी ते देवी देवता कहें धन्य उरु मव
 हि देव लो क इति गया सात सेवर स रोग अही आया एणि उषध मात्र नक्षकं आपणी अवि ल इति गया
 एवेला वर सदिहायाली सनत अमार ऊषी श्रुती जे देव लो के गया देवता एणे ऊपना इति मबी जा एणि

३५ ह्यु क मा जो वेला
 इति जो ने उपदेश
 प्रति बोध पा मे इति
 कथा

त्रिंशत्ताक जे उरु मव सत्र मक
 सात लवन इति उरु मक मव इति
 ह्यु देवता मया जो मात लव
 आक उरु ततो मो इति ता

विमाणक अउत्तर विमान ता वा सिविक
 वस नारा अउत्तरा रोप म आउमाना धली ते
 एणि परि वमंति क यम इति गला वा स अवर
 र इति सुरा क देवता

विात ह्यु तं क विचार ससार
 उं से संक सेष वा क क ससार
 उं बी जे रमा हि

जइताल वसत्र मसुर विमाण वासी विपरिवमंति सुरा चिंति ह्यु तां स सं ससार

सासयं क सास्व उं सदा
 र इति ए ह्यु क यं क कि
 सुवे अ पि वे को न धी एला

कह किम ते ते लन इति कही इ
 सुवे सुवे प्रति पल इति सुवे
 ने सुवे किम कही इ

सुविरेण वि घण इति काले एण जस जे सुवे
 सुवि डर क उष प्रत म ह्यु य इति आव इ
 ए अणुत्तर वासी देवता

जेव क जे व वली मरण स
 मरण न इति अवसा लोक उ
 वे ह्यु म इ

सासयं क यं २९ कहते लन इति सुरा सुविारण विजस डर क म ह्यु य इति जे व मरण वसाण स

नारका दिक गति ते माहिं स
 सारा फिर ह्यु ते ह्यु अणु वधि
 कारण भा इति वली

उव एस क उपदेश ते स ह्यु से
 दिविक ह्यु जारे ग मे करी न इ
 एणि

बोहि ह्यु तो क ह्यु वतो व को न इ
 श्र इति क न ह्यु क इति बोध न पा मे
 को इति क को इ

जइ जिम वं स दन वल उदा इ
 दन व क व ति राया राजा निव क
 जिम ते घणे उपदेश ते प्रति बो
 धन पा म्यो ति म बी जा र तारी

कमी पति
 पा म इति

व स साराणु वंधव ३० उव एस सहा स दिवि वा हि ह्यु तो न इति ह्यु को इति जइ वं स दन राया उदा इ

उदा इति राजा तो इति व य का जि
 म ते मार उ क मारण ह्यु रा
 वे लो वे व क निधय ३१

॥ ह्यु के न ला ए क जीव तारी क मी घणे उपदेश ते एणि प्रति बोध पा मिं न ही ते ऊप रे
 वल दन व क व ति अत इ उदा इति राजा तो मारण ह्यु रा वे लो न इति ह्यु त क ह्यु व इति देवा
 म इति उव एस ३१ व म वल दन व नी क थालि धी इति क पि ह्यु पु र न ग र न इति विष इ

निव मार उ व ३१ वल दन व क व ति राजा करे एक दा प स्ता व इति वल दन व क व ति न इति ता टिक ग

१०

गीतसो ललतां जातिस्मरणकपुत्रं पाबिलालवदीता मूर्च्छापीमीधरतीऽयमो मंत्रीसरप्रमुखेवदनादे
 कशीतलवायुघालीसाववेतकीधोषको पोतऽपाबिलालवनऽउलाई तेहनऽमिलवानीउकंठाल
 णीबऽपदश्लोकनाकसा आस्वदासो १५ गौ १५ सो ३ मातंगध वमरौयतवा एवेषदनां पाबिला १५ द
 प्ररऽ तेहनऽ अर्द्धराज्या आहुं एहं कथां धकां मंत्रीसरऽ नगरमाहि एहीवजनायो सर्वलोक १५
 दलणवामां पाणि पाबिला १५ द कोई जो मीनसके एहं वेजनांतरनो लाई चित्रनामिं पुरिमनाल
 गरनऽ विषऽ कोई कसेवने घरे पुत्रपणऽ अवनस्योवे तिलां धर्मसां लली विराग्यपामी दिहालेई जाति
 स्मरणपामी विहारकरतो तिलां कां पिह्वपुरऽ वामी माहि आ अरहनऽ पासेका उसगा करीरलो
 ठे एहं वे अरहनावे दूना सुषधी श्लोकना अर्द्धसां लली १५ द स्यां एषा नोषष्टिका जाति रन्यो न्यां स्यां
 वसुक्तयोः १ साकना सुखधी श्लोकश्रोसां लली अरहनोषे दूमा ली उतावलो १ उलदत्रवकवर्ति १
 गलिआवी श्लोककहिउ तेसां लली राजा मूर्च्छापीमो तिवारऽ मंत्रीसरऽ प्रमुखलोके तेमालीनऽ मार
 वामांमो तिवारऽ तेकहऽ मऽ नधी प्रस्यो अमारा अरहनऽ पासऽ एकसाधवे तिवारे प्रस्योवे एहं
 कसां तेमालीतऽ प्रको चंदनादिक इराजानऽ वेतवाकं एव इराजापोतानो परिवारलेई तेसाधनऽ
 लकिं स्नेही प्रस्योवां दवागयो साकदेवी हर्षित विनिं वां दी विनय प्रवक साधकोपासे वऽ वो साधऽ ध
 मदेशना देवामामी देवामी संसारनी असारता कही देवामां कर्मबंधनां कारण दवाणो मो दानोमा
 गीतसाधली उलदत्रबो लो उलोकिं संते परं पाणि जिम उलारऽ दर्शनऽ हर्षीपामो वऽ तिमराज्य

अई सुखलोगवी सुकनऽ हर्षपामो एवऽ आणत ए संममकरस्यु एहजतपउं फलबऽ तिवारऽ म
 धकहऽ राजन उलो लउं ककं पाणि केवल मउय तो लवफेरी पामो ते उलं लबऽ आउं चंचलबऽ
 राजलक्ष्मी धिरनवी विषय विपाक कऽ आबऽ अतऽ जे विषय नऽ विषऽ लुधबऽ तेहनऽ निशे नर
 गिजा वऽ उबऽ पठऽ फिरी मोक्ष बीज पाम उं डलं लवे अने के तलाय क दिन राजलोगवी सुषपामी स ते
 मावे सुकि कदायह संतारि आण पाबिलालवनां उष आलवधकी बहऽ लवऽ आण बऽ दशाली
 लदनगरनऽ विषऽ दासधया जोमलऽ मृमधका जणा तिलां मेजर मवाल वावमतलऽ स्तना सधे १ नऽ
 मंसदीधो मरी बीजऽ लवऽ कालं जर पर्वत नऽ विषऽ जोमलऽ मृगधया चरतां पारधीऽ एकऽ बाणऽ म १
 स्या तिलां धी कामरी बीजऽ लवनऽ विषऽ जोमलऽ गंगानदी नेती रेहं सधया तिलां आण १ पासिं बंधा
 णा तिलां धी मरी दोषाल वने विषे वाणारसी नगरीऽ स्तदित्र वंमालना पुत्रधया चित्रनऽ संस्ततय
 हवऽ नामिं एहं वेनगरनऽ राजाऽ न सुं विप्रधान निं कोइ क अपराधक स्या आण पाणि ताने मारवा बा
 नो आणो आण पाणि पिताऽ तेहनऽ ककं जोमाहरा पुत्रनऽ लणावे तो जीव तो राहुं तिले जीववा नी अ १
 स्याऽ ललणी पवे आण पाणि ने सुहिरा माहिं बानो लणावऽ पवे तेह तो आण पाणि संघाते सनबंधधयो
 ते पिताऽ जाणो तिवारे न सुं चितऽ मारवामांमो आण पाणि गुरुजाली जीव तो रषांमो देवा बाहिर कादो
 ते गजपुरनगरने विषे गयो नानत क मारव कवर्ति नोषधनधयो पठऽ आण पाणि गीत गाने करी नगर
 माहिं प्रसिधधया चंमाल जाति माते लोके वामी माई देवा बाहिर कढाया आण पाणि हरदे सांतरने वि

धेगया डधवैरागेलाया आत्मघातकरवाली पर्वत उपरि चढा निहो आयेण नइ साधमिल्या ति
 ले समजाया प्रतिबोधमा मी दीक्षा आदरी गीतार्थधया तद्वत्प्रथमादिक डः करत पकरतां अत्रु
 क्रमिं विचारकरता आयेण गजपुरनगरने विषय आया मा सरवमण नइ पारणे उंनगरमाहिं वोह
 रवागयो तिहो नमुं विप्रधानइ उंनइ दीवो जाणुं एविली वात कहइ स्पइ एहं जाणी पोतानावा
 करसुं की उंनइ दीक पाट्टेई गलइं कालीनगर बाहिर काटो उंनइ कोधवटो ते ते जो लेखा
 सुक वातणि सुखमाधी धुं आनो काटो नगरमाहिं अंधकार वा सुं राजा इवात जाणी सर्वलोक स
 हित आदी पोतानो अपराधमायो मेण निउंनइ उपसमायो नमुं विप्रधान तिं बांधि आणी ताहरे
 पगेणो ति वारे ते कोध उपसमायो पडे आयेण वइ जणइं संलेखना कीधी सनत ऊमारव क्रवर्ति पो
 तानो एरिवार लेई अंतःपुर सहित वां दवा आयो ति वारइ वां दतां सुतं दाए वइ नामइ स्त्री रत्नता
 मस्तक नीवेणि ताहरे इयगेलाणि उंनइ मोहक यनो ते नीया पुंकी कं जोत पउं फल होइ तो एह वी
 स्त्री नो लोका घाजो मइं उंनइ वासो पणि माह संवास्सं नकी कं आयेण वे काल करी पहिले देवले
 १ के देवता धया पांचमाल वने विषय तिहो धी वी आबछा लवनइ विषय जूदा अ वत स्या ते उंनइ
 ति नो जीव निया पुं कस्या माटइं कं पिछन पुरइ बल राजा बुलणी राणी नो पुत्र धयो अनइं कं विव नो
 जीव पुरिम ताल नगर नइ विषय व्यवहारी यानो पुत्र धयो धर्म सां ली दिहाली धी जाति स्मरण पा म
 २ इहो आयो ते माटिया बिला लवनो डध संतारी विषय पुत्र ज मउं जन्म फलो करि एहं सां ली व

११

लराजा बो लो लगपन पाया विषय सुख ते वां मी अणदी वां आगलां सुखनी वां का करवी ते मूर्धुं लहा
 दण वइ वीं उंनइ पणि जाणुं वं पणि को विषय सुखन धी सुकातां इत्यादिक अने कहे उंनइ इहो तइं स
 मजायो पणिसम के नही प्रतिबोधन पा मे ति वारइ साध की जे वा मिं वी लार की धो चारित्र पाली सुकि
 उरतो एवे बल दत्त ने सुख लो गवतां के तो एका लगयो एह वे एक बाल ए पहिलो नो उंनइ वी तो ति ले
 आ वी लो जन मासुं ति वारे चक्रवर्तिक हइ अला कं लो जन उंनइ नही जरइ ति वारइ त बाल ए
 बो लो धिगस्त हो उंनइ जे माटइं लो जन नी ना कहो तो एह वा कस्या माटइं ते बाल ए नी कं कटं स
 दत वक्रवर्ति उंनइ लो जन जी मासुं ति ले ते उंनइ दी धयो पोतानी मा बहिन वेटी दोहि वी लो जाई लत्री जी प्रमुष
 स्फ पाकं जि वारइ म दउत रुं ति वारइ लाजो य को वन माहिं गयो वक्रवर्ति उपरि देष आयो जो उंनइ
 ऊने जी मा मी एह वं अकार्य करा कं वन माहिं फिरतां ए कर बारी बाली चारतो अनइं ग लो लइं करी वृक्ष
 ना पान मां घात तो दीवो ते हने मिलो मे वाई की धी पोतानी वात कहो जो वक्रवर्ति नी आधिका दे तो मा
 गइं ते आउं ति वारइ ते मो वाली इं हा सणी नगरमाहिं ते मी आयो राज माये धरने आंतरइ रायो एह वइ
 बल दत्त वक्रवर्ति बाहिर नी कले ति वारिं ते गो वाली इता की नइ गिहें ली मारी आधि वे कटी बल ती व
 क्रवर्ति नइ वरिषइ ते बाल ए ने कटं व सहित मासो एह वं मंत्री सरने कं जे बाल ए नी आधिका
 टी बाल लरी माह रा सुह मा आगिल मेह लो उंनइ वइ मसुं जि मसुं नइ साता उपजे एह वो को धेल
 राणो ति वारे मंत्री सरइ दिवास्सं ए तो माह अनर्थ घां वइ एह वं जाणि वरुं दाता फल उंनइ बाल सरी व
 क्रवर्ति आगलिं सुके कं ए बाल ए नी आधिका टी आणी ते पडे ते हा धि करी मत्रालइ मन मां शाता उप

जइ इम सोलवर सङ्कः कर्म करी सात सिं सोलवर सङ्कः अउं पुं प्रसं करी रौध धाने मरी सात मी नरगे ना
 रकी पणे ऊपनो वर सा रौध मन इ अऊवे इम बी जाई जेलारी कमी जीव जइ ते प्रति बोधन पाम इ
 एव लद नव की ती कथा एसात मी कथा ए वइ उदाई राजा नो मार नार वे ला नी कथा लिखि वइ वे
 पाम लिखुर नगर इ विष इ कोणी राजा नो वे दो उदाई राजा राजा कर इ वइ ते उदाई राजा इ कोई कर
 जातुं राजा पामी नी कं ते राजा नो वे दो उजेणी नगरी इंगयो उजेणी ना धणी सुं उदाई राजा न इ वयर वे
 ते माटे तिणे कलं ऊं उदाई राजा नो मारी अउं जो माहं ऊं उपर करो तो तेणे राजा इ ला सणी वल तो ते
 राजा पुत्र पाम ली पु रिंगयो घणा दिन मार वा नो उपाय जो यो पणि मार वा नो उपाय न पाम इ ए वइ एक
 आचार्य प्रति वारित राजा घर माहि जाइ आवे ते देवी ये ले राज पुत्र इ चीत मुं जो ए वनो वे लो वा उं तो एरा
 ज्य मरा इ ए वइ उं चीत वी क पट वै रा ग्य आणी ते आचार्य या से दी द्या ली धी सिधं त लणो दिन य वे या
 वइ ते कर वइ करी सर्व साधन इ रागी की धा दी द्या पाल तां वार वर सधया ए वइ उदाई राजा आ विम
 वउद सिणे सह कर इ ति वारे ते आचार्य रात्रि धर्म देना ना संल ला व वा जाइ ए वइ एक वार आचार्य तार ध
 इ ऊला वे बी जा सिध को लाजर न धी ति वारे ते वे ल इ कलं स्वामी क हो तो ऊं सा धि अउं पु रिं जा पुं ग
 हने घणा वर सधया वइ परिणित यो वे ए वज तो बो आव तो ए वउं जाणी ते ह निंज सा धि ते म्यो रात्रि धर्म
 देना देई पोर सि सणा वी राजा अन इ अति र्य वे ह जणा संवा स्या उं घा जांणी ते पा पी उं घा मां रा धी वइ
 कं कलो ह नी पाली तिणि करी राजा उं ग लुं का पी नी सस्यो पो ली इ पणि साध सदैव जाइ आवे वे ए वउं ज १
 ए जा वा दी कं ए वइ राजा ना गला वी नी कलुं लो ही ते ह नी रे लो आचार्य न इ शरी र इ ला गो आचार्य इ

३२

ऊं ती जो सुं सही पपा पी वे ला उं कार्य पवे आचार्य इ जा पुं जो ऊं जा उं तो जिन शासन नी क शो ला घा इ
 वइ ए वउं चीत वी अण सण आराधना करी सर्व जीव ने ध मा वी ते ह ज पाली पो ता ने ग ले ली धी मरी दे व ले १
 कें गया ए वे ते वे लो वे ध मुं की ऊं जेणी नगरी इंगयो राजा ने कलं ऊं उदाई राजा ने मारी आच्यो ति वारे
 राजा इ ध वं ते कि म मास्यो ति वार इ तिणे सर्व वात मा मी क ही राजा इ सोल ली को पां य मा न ध यो फिट
 रे पा पी चां माल साध वे प ले ई ए सुं ऊं कर्म की कं अह ह मुख हो ता हं नी सर मा हरी वृष्ट अल गो इ म क
 ही दे स वा हिर का द्यो तो जू उं वार वर सदि द्या मा हिर लो गुरु ना उप दे स सां ल त्या पणि प्रति बोधन प
 म्यो ति म बी जाइ पणि लारी कर्म जी व हो इ ते प्रति बोधन पाम इ ए उदाइ राजा मार क वे ला नी कथा ए वक
 था धई कनक कान अ परि वत्ता ई क अण बो मी इ जी वा क जी व स क म म क पो सरिय सरिय लरा समूह लरा तो
 गय क नी परे वे व ला ग राय क राजा नी ल बी एक ल ताना कर्म ते रूप क लि म ल ति वार प बी प मं ती क य रु इ कि लो अ
 ला वी ता व प ल धिर न ही स्मी ल ध न इ क व रो ते लिं करी न र हे क हे तो न र ग इ ३२

गय क न व व ला ए अ परि वत्ता रि रा य ल बी ए जी वा स क म म क लि म ल सरिय लरा तो प मं ति आ ह ३
 वृ ह्ण वि बो ल वा न इ का ज इ सु ड क रा इ ति क गा हां दो हिलो लय वं क ज ग वं न श्री वारे ल ग वं ते कलं सा सा क ते ते ह ज ता हरी
 पणि जी वा ण क जी व ऊं सुं पा व पो ता ना पा पो व म ला नी रे म क सु प चा य सो पा जो आ दे श पा बो उ ब हिन जे
 न इ रिया व रि व पा इ अ क र्म या ल जि म जा जे मा हरी ब हिन तर ऊं क नि खे ए ल म्ये क ए लो ले श वि
 ए क इ जी ल इ सा ते ए वउं प्र कं ति ह ज त उं जा सा अ
 २ अण वि जी वा ण सु ड क रा इ ति पा व व रि या इ लय वं जा सा सा प चा ए सा रु इ ण मो ते ३३ ने ल ग वं ते
 कलं सा सा सा

अथ केतला एकजीवने पोताना पापकर्तव्यप्रत्यक्षक
 बुभुणविः धुं दोहिलुं धातेऊपरिएकलीलनोदृष्टांतदेवामेवे बुभुणविः उरु ५ लोकधा ए
 वारश्रीमहावीरनेसमोसरणइं एकेलीलेआवीप्रबुं हेलगवंतजासा तिवारेलगवंतेकहंसा
 सा तेसां सलीगयो तिवारे श्रीगौतमस्वामीइं लोकनेप्रतिबोधवानेअर्धइं प्रबुं कहोलगवंतए
 नीलेसुप्रबुं अनेबुलो सुपाबोउत्तरदीधे तिवारेलगवंतइं तेहोपाविलालवनोहनांतकहेवे वपा
 नगरीनेविषे अनेगसेतानामेसोनारवसेवे तेस्त्रीनोलोलीवे धुंधनआपीमनगमतीपांचसेस्त्रीपर
 एणे तेएकघरमाहिंराघइं कोईनइं बाहिरनीकलवानदिइं एहवोअविस्वासीवे जिवारइं जेस्त्रीनोतो
 गनोवारोहोइं तेहनोंस्नानमज्जनवस्त्रआलरणप्रभुषणगरकरवादिइं बीजाकोईनइं स्नानमज्ज
 नकरवानदिइं इमस्त्रीनोआसक्तदेवे एकवारमित्रनेघरेपगरणवे तेमित्रआवी तेसोनारनेजोरिंजी
 मवातेमीगयो तिवारेतेसर्वस्त्रीनोअवसरजांणी स्नानमज्जनकरीवस्त्रआलरणपरिहरी हाथमाहिं
 आरीसालेईं माहोमाहिंकीमाकरइंवे एतलेतेसोनारजिमीनेउतावलोआवो वनीस्त्रीइं कामाकथा
 सुं स्त्रीउनेकीमाकरवीदेवीकोधुंवेवो वनीस्त्रीवेमर्मघातइं मारी तेमूर्ईजाणीबीजीस्त्रीएजाणुं एया
 पीअणुपणिसर्वतइं मारस्पइं इमवीतवी आरसेनवाणुं स्त्रीएसामवाआरीसानाया तेणइं तेसोनार
 आतापकरवालागी अणपणमाहुंकीकं जेलत्तरमासो एहबुं विचारी घरलगामीबलिभू
 तवदेदीएकपालेलीलंधया सखुदायकर्मनाउदयधी अनेवनीस्त्रीप्रथममारीहतीतेकोइं क

गामनेविषेउपपणेअवतरी अनेसोनारनोजीवहोतेबीजीयोनिनइं विषइं फिरीतेहतीबहिनपणइं अव
 तस्यो हवइं तेवनीस्त्रीनोजीवसाईधयोवइं तेनत्तरजीवबहिनपणेघईंवे तेहनेरमाइं पणिप्रबलविष
 यइं करीरोतीनरहे एकवारतेसाईनोहाथबहिननइं गुणप्रदेशिलागो तिवारेतेरोतीरही तिलिउपायला
 धो जिवारइं रोइं तिवारइं तेहनेगुणप्रदेशइं हाथफेरयोतेरोतीरहे एकवारगुणप्रदेशोहाथफेरवतोमाबायेदी
 वो ऊंचेष्टाकरतोजाणिघरबाहिरकावो तेजईं धणएस्त्रीनाजीवलीजघयावइं तेहनेमिल्यो तेलीलइं ते
 नेवमोकीधो हवइं तेबहिनहृदयामी प्रबलविषयनाउदयधी फिरतीइं कोईगामेगईं तिलांतेपणलीलनी
 धानिपनी तेजालीगयावमालीलनेअणवामामी तिवारेतेकहे ऊं एकनीस्त्रीनलीघाउं पांचसेनीस्त्रीघाइं
 तिवारेपांचसेनीस्त्रीघईं तेपांचसेतेएकस्त्रीतेसोगवइं इमकेतलोएककालगयो एकवारतेपणलीलने
 मनमाहिंदयाउपनी तिलिएकस्त्रीवलीबीजीपरणी तिलिजाणुं एमाहरीरतिनोविभक्तस्ये एहबुं जा
 णीतेलीलकिहांगया तिवारइं तेस्त्रीनइं लोलीवीनइं कआमाहइं नोधी लीलआवा तिवारइं वातजाणीति
 वारइं वमइं लीलइं वीतसुं रयेमाहरीएवहिनऊइं मनमाहिंसंदेहऊपनी एहवेंतिलांलगवंतश्रीमहावीर
 समोसस्या लीलइं अलगोरहीसमस्यामाहिंप्रबुं लयवंतजासा हेलगवंतजासीहतांऊंरमाहतो साकहतां
 तेए तिवारेलगवंतइं पाबोऊत्तरदीधो सासाकहतां तेतेहजएताहरीबहिन एहबुं सोलली लीलप्रतिबो
 यामो आवीबीजालीलनइं पणिप्रतिबोधदीधो दीजालीधी एसोललीबीजापणिघणजीवप्रतिबोधा
 म्या जोउंसंसारमाहिंविषयबुं विलसितजेएकस्त्रीसहितपांचसेपुरुषेष्टपतितथा

तोधिगखुहोउ एवमुषस्व नाविषयसुषते एअनंगसेनसोनारनीकधासंप्रसाः श्रीरसुः कल्याण.
 एमिवसिउणक-पमिवजी नियएक-पोतानोसमंका-सम्यगल तोकिरक-तेहबुंकसु खमावताधकाउउपुके
 नइ दोसोक-दोष लेप्रकारेसावदमनइ वलीणय तेहबुपासु मिगावईए केलेनाणक-केवलज्ञान
 वज्रियाएक-वेदनापवर्तनीनेपरोप क-मृगावतीइजे तपति ३४

एमिवज्जिऊणदोसे नियएसमंवेणायवमिआए तोकिरमिगावईए उणत्रंकेवलनाण ३४

॥जिमइलिंलीलइबहिननोसंगमकीधो तेदोषप्रगटकलो हवेजेआपणोदोषप्रगटप्रकासे तेहनेइ
 एलोइ तेकपरिमृगावतीनोदृष्टांतदेषामइबइ एमिव ३४ इहंमृगावतीनीकधाजाणवी साकेतन
 पुरणाटणतइविषइ एकसुरलिष्टयनामित्यक्षमहिमावंतबइ तेहनीवरसइश्यावामिलइ तिवारइयइ
 निविदिवप्रकारइचीतारोवीतरइ तेचीतारोमरइ अनेजोनवीतरेतोतगरनालोकने अश्वाराजानेम
 रेइमकरता एकवारवीतारो विजामणवीबीहतासर्वनासीगया तिवारेराजाइपातानावाकरमोकह
 सर्ववीतारावांधीमगावा राजाकहेबलोस्यानेनासोबो ऊंसऊतानामनी चीवीलिषीधमामाहिंघा
 १मुंकसं यक्षनीयात्रातइदिवसेऊमारीकन्यापासिकडावसुं जेवरसेजेहनामनीचीवीनीकलस्यइ
 तेवरसेतेचीतारोयक्षतेचीतरस्ये एहवोविचारकीधो एहवाइकोसीवीनगरीधकीकोइकवीतारातोड
 वचित्रामणसीषवातिहं एकगरढीधितारीतेहनेएकजबेटोवे तेहनेधरेआवीरलोबइ एकवरस्येतेमो

करीनावेतानीचीवीटीकली तिवारेतेमोकरीडरोवामासुं तेधितारानोपुत्रकहे माताजीआजतुलेको
 रोउबो तेकहेवसमाहइएकजपुत्रवे अनइआजयक्षनइचीतरवानीचीवीआवीवे तेआजयक्षनेवी
 तरस्ये तिवारेतेमरस्ये पबइमाहरोऊणनोआधारवे तेडधेरोउंछं तिवारेचीतारोकहइ माताजीडरवम
 यामस्यो आजतुलारावेतानेवामे यक्षनेवीतरवाऊंजाइस इमकहीबछनोतपकरीशरीरपवित्रकरी
 ललाऊजलानिर्मलधोत्रीयांपवित्रपहेरी ललांरंगललीपीवी ललांकभरंकसूरीपुसुखगंधबलबाक
 लाहोमहवनकरीयक्षनिंवीतरीललीप्रजाकीधी पविंपगिलागीदंभुतकरीकलंकहेस्वामी हेतगक
 वसलहेअविंयशक्तिनाधली जेकाइताहरीप्रजानेविषइअयुक्तपुंकीकंलोइ तेसेवकनोअपरा
 धममवो एहवांविनयनावधनसांललीतेहनीलकिंरीको यक्षतुष्टमानघईबोलो मागिइवसवरजेमा
 गइतेआहुं तिवारइतेकहइ स्वामीमासुंआपोतोवरसेशमारोबोतेमारबुंभूको तिवारइयक्षकहइजा
 एवरतोदीधो आजपवीकोइनइमाकंनही एणिताहरेवास्तिकाइकमागिं तिवारेवीतेतारोबोलो स्वामी
 शरीरतोषकअवयवदीवांआहुंरूपआलेषुं एकवोवरआपो तिवारइयक्षकहे जातेएणिवरमेदीधोउ
 ऊंने इमदेवातानोवरणमीतेवीतारोपाबोकोशवीनइविषइआयो राजासतानीकेवातजाणी सर्ववी
 तारातेमीपोतानीसलावीतरवामंमावी एहवइजालीनइआंतरइमृगावतीराणीनीएकआंगलीदेधी
 तेवीतारोआहुंरूपआलेषुं जांघतइविषइमिसनोविंडउंयस्यो तेसुंसीनायो तिवारइवलीतेवामिं
 मिसनोविंडउंयस्यो इमवांघारसुंसतोहियणिमिसनोविंडयमइ तिवारइवीतारइजाणुंमाहइइदे

वतानोवरबे तेमाटइराणिनीजांघइ एहंलंबनहसे तोएतामिदारं२ बिंदुपदइवे सत्तामरीवीतरा
 इरही तिदारइवीतीराइजातानीकइसत्ताजोवाआया जोतां२मृगावतीचंरूपदेवीघणुषुसीध
 यो पणिजांघनइविषइलांबनदेवीकोधपाम्यो सहीएवीतारइ मृगावतीराणीलोगवीबे तहीतरि
 जांघनइविषइलांबनबइ तेएकिमजाणे इमकोधआणीवीतारानेमारवामांम्यो तिदारेतेकहे म १
 हाराजासुफनेदेवतानोवरबे तिदारेराजाइपारखुजोवाकबमीदासीचुंमुषदेवाचुं तिणिंतेहंजुंरु
 यवीतसुं राजानामनतोसंदेहलागो तोहियणिंतेवीतारोनाजिमणायानोअंगुतोबेद्यो तेहनेना
 वहावेवरस्यो वीतारइवीतसुं जोविनाअपराधमाहरोअंगुतोबेद्योबे तोऊंएहनेमूलवीउन्मूली
 नवाचुं इमवीतवीमृगावतीचंरूपपटइआलेवी ऊंजेणीनगरीनेविषेजइचंमप्रद्योतनराजानेदेवा
 सुं तेरूपदेवीराजावामोहपाम्यो पबेशतानीकराजालणीइतमोकलीकहिवराचुं एस्त्रीरत्नवेहेलोइ
 हंमोकलजेएताहरेघरेनगोलइ तिदारेवातानीकोपाचुंकहिवराचुं एस्त्रीरत्नअलारइअधरेगोले
 पणिताहरेघरेनगोलइ तिदारेचंमप्रद्योतनराजाअमर्षआणी चौदमुकटबद्धराजासहितकटक
 दललेइवद्यो तेहनेआवतोजाणीसतानीकराजाअतीसारनेरोगेमरणपाम्यो तिदारेमृगावतीराणीइ
 वीतसुंमुवउदतकमारतोवालकवे अनेराज्यशीलपणिराषचुं इमवीतवीसाहमोइतमोकलीचंमप्रद्यो
 तनराजानइकहिवराचुं स्वामीऊंतोहवेवुलारीजहुं जेमाटेमाहरोलतांरतोमरणपाम्यो अनेउवतो न
 १होवइ माघइवयरीघणाबे तेमाटेउवतोराषोउघाइ एहवोनगरतोकोटक रावोतोपवेउलोकहसे १

१५

तेकरीस राजाइवातसाचीमानी पोतानाकटकनालोकउलाउलइंरावीलाघोलाघेऊंजेणीघकीइत
 अणावीकोशंबीवोषफेरकोटकवो माहिंणुणाधनपणीनोसंगहकरायो पबइमृगावतीराणी
 गढरोहोकरिमाहिरही तिदारेचंमप्रद्योतनराजानेकोधवद्यो आवीनगरवीटीरलो एवेमृगावती
 राणीमनमाहिंवीतवी लगवंतसुफनेताहंशरणबइ मइबुद्धिकरीबालवयरीतोजीत्या एवइइहं
 आवोतोदीहालेइ अंतरंगवयरीजीउं एहंमृगावतीचुंमनजाणीलगवंतश्रीमहावीरतिलांआवी
 समोसस्या मृगावतीराणीनगरपोलिकघामीसुंकी लगवंतनेवांदवाआवी चंमप्रद्योतनराजापणि
 कोधसुंकीलगवंतनेवांदवाआयो तिदारेतिलांलगवंतइदेशनादीधी तिलांएकेलीलेजासासासा
 सचं तिलांसोनारनीकघालगवंतइकही पहिलांकहीतेतोसांलली घणाजीवप्रतिबोधपाम्यो तिदा
 रइमृगावतीइचंमप्रद्योतनराजानइसचं महाराजाबुलारीआजाऊइतोऊंदीहालेउं अनेउदय
 नऊमरबुलारइपोलइबइ तिदारइलगवंतइपलावमीआजादीधी उदयऊंमरनइकोशंबीनोरा
 ज्यघापी मृगावतीराणीइदीहालीधी चंमप्रद्योतनराजानीअंगारवतीराणीप्रमुषआवराणीइदीहा
 लीधी मृगावतीनेचंदनबालानेसलावी समावंतेतिलांधीविहारकरता वलीएकवारकोशंबीइसमोस
 स्याबइ तिलांवीजापुहरेनेविषइचंदमानेसूर्यमूलगेविमानइबइसीलगवंतनेवांदवाआयाबइ त
 हनेअज्जआलेकरीमृगावतीसाधीइवेजानजांणी बीजीचंदनबालापुखमहासतीएलाइऊंयासि
 रइआवी चंदनबालासाधीपमिकमणुंकरिसज्जामकरीपोरसिलणावी संघारइसतांउइ एहवेचं

५ मासूर्यगया अंधासंयससंतेदेधीमृगावतीलयपामती उपासिरेआवीचंदनबालांरीसकरा उ
 उत्तमकुलनी उऊनइरात्रिरहेबुनघटइ तिवारेमृगावतीइललेप्रकारेपोतानोषयमवज्यो आजु
 विणहवोअपराधनहीकरं इमकहीचंदनबालानेपगेलागीवारंवारधसावतांमृगावतीनेकेवलत
 नऊपुंएहवेचंदनबालानेनीजाआवी पासेसापजातोदेधीचंदनइहावेउंवीकीधोतिवारइंचंदनव
 लाजागा मृगावतीनेप्रबुंनइमाहरोहाधकांहालायो मृगावतीकहइ सापजातोहोतेमाटेतिवा
 रइचंदनबालाकहे ऊंअंधारइनधीदेधती तोउंकिमदेधेवइ उऊनेकांइजानवे तिवारेमृगावतीइ
 कलं हाउलारइंसादइंकेवलजानवे तिवारइंचंदनबालापयात्रापकरतीमृगावतीनेपगेलागी
 धमावतांचंदनबालानेकेवलजानऊपुं इमबीनेपणियोतानोदोषपगटकहीधमावबुं इतिमृगाः ११

किं कसुं सकाक स सरागधममिक आजसरागधमनइवि जोक जेपुणक वलीधरिष उच्चयणक उर्वधनेउच्चालिपक प
 कीइ बुनक बोलीइजे वइ कोइक कोइअकसाउक कषाय धरइ कोधनोउदयकंधइध जालापकटकीधकषायनेसमु
 क अलेकारे रहीतऊइएहवउ लीये अयंतगाटपणिकरी लीक तसाककहीइ ३५

किंसकावुतंज सरागधममिकाध अकसाउ जोपुणधरिऊधणिय उच्चयणकालिपसमुणी १६

कइअक कइउकसायक कषा पुणं क कलचक वलीफलचक पुण्णक तेहउंकलमाय फलेण फलेजेवीजानेया
 यरूपीउ तरुणक वृक्षतेहना वलीफलदोविक बइवानो विरसा भाइलीअमाहि कविउक वं पापइवायापुंउसमा
 इक विरसतीरस कोप्याऊं तोपाइउवीतवेने यरइ आचरेकरइते

३५ कइअकसायतरुण पुणं वफलचदोविविरसाइ पुण्णकाइकविउ फालणपावंसमाय

संतेविक वतालोगपणिकोविक को कोविक कोइएक असंतेविक अणठ वयइक बांमइपरपच पलवोक पलवोको
 इकाउअइक बांमइ तापणि अहिलसईक अहिलाषइ वा एणविक परबीजानइ रपोवसइचोरनोध
 बइ लोएक लोणप्रतइ बांमतां देवीनइपणि लिदरुणक देगी

२५ ३६ सातविकोविउअइ काविअसंतेविअहिलसइलोए वयपरपचएणवि पलवोदइए

नइकोहनेजइक जि ॥ हवइकेतलाएकजीवरुलुकर्मावतीकहिबांमइ केतलाएकअवतीबांमइ के
 मजेवुकमरनेदेधीने लाएकजीवबीजानइबांमतां देधीप्रतिबोधपामीपोतइबांमइ तेऊपरिंजंजुकमरने

जहजंज ३७ अनइप्रलवस्वामि लोणप्रतेबांमतां देधीप्रलवपणि बांमतां केपरिदृष्टांत देवामइ
 बइ सातः ३७ राजगृहीनगरनइविषइ रुषलदत्तव्यवहारिउवसइबइ तेहमभारणीनामइस्वीबइ ते

हनोपुवजंजुकमरनेएकवारश्रीसुधर्मास्वामिनीदेवनासांललीवैराग्यपामीधरेआवतां नगरतीपोलि
 यंवमिलादेधीरघपाबोवाली श्रीसुधर्मास्वामिनीसेदोहालेइ तेवचनसांलली धरणीमातागदश्चरि

आंसुभरापामतीकहइ वसुंअलारइंएकजपुवबइ इष्टकांतघणुंवाहलोबे उंवरनाकलनीपरइता
 हंतामसांललुंअमनइइसंलबइ तोदत्रांनकिहांधकी तेदेधीमाटइ आवव्यवहारीआनीआवकन

घणुं सुंदरसरणीताहरेवास्ते विवाहमेनीमुकोबे तेपरणी संसारनां सुखलोगवीलुक लोगीधइ पबइहील
 लेयो एहवांमातापितानां ववनसंलली जंजुकमारकहइते अरेसांतापिताउ एहवां सुखपणेजीव

नेनीव लोणगांवे अनेपहमीन कदेवतानां सुखपणिलो तंउइ पणियजीवकिनरेवृषतमामे
 निजंजुकमारनसमक

मुरवेणो पतलो मारा क...
 मो... जं...
 लेस्य...
 आण...
 मलो...
 मणी...
 चोर...
 न...
 जं...
 री...
 ल...
 ग...
 र्शन...
 रि...
 तो...
 ह...

१७

म्मास्वामीपासेदिह्यालीधी प्रलतप्रसुरवपांचसइशिमपणिआया जं...
 मो...
 सके...

दीसंतिक-दीसेपरमक-गा	पवरक-प्रधानलुधमक-४	जहक-जिमसोक-तेविला	धमिबुहोक-प्रतिबोधयामोदि
दाउतकशायोविक-रोड	मयवमलावतकपातहनापला	इपुत्रोक-विलातिउत्रए	हालेतोऊपुसमा-सुसमाना
आकरापणिजीवऊइते	वक-प्रलावधकीधमिबुहाक	वइनामइ॥	मेकन्यातेहनेलाए-ताताधर्म
	प्रतिबोधयामा		कषायमाहिककानहोतइ

दीसंतिपरमघोरवि एवरधमएसावयमिबुहा जहसोविलाइपुत्रोपमिबुहोसुसमाणाए २५
 ॥हवइकोईकजीवमहाघोररोडऊइतयणिधर्मनइप्रलावइकरीप्रतिबोधयामइ तेउपरिविलातीउवनो
 दृष्टातदेवामइबइ दीसंति...
 नगरनइविषइएकयजंतामिं बालणवसइबइ महाविद्यावातबइ एहवीप्रतिज्ञाकीधीबइ जेसुऊने
 वादिजीपइतेहनोशिमघाउं इमवादकरतां एकवारकोइकवेलेतेहनेजीयो तिवारतेपासिदीह्यालीधी
 लावसहितपाले पणिबालणजातिलणीदेहस्तानादिकमलनोपरिसोनिंदइ सृगकरइएकवारतेउप
 वासनइमारणइ पोतानीस्त्रीनेघरेरहवागयो तिणिंपूर्वलइरागिकरीतेसाफनेकामणकीधुं तेकाम
 मणेकरीधीणनारीरघईकालकीधो तेवातस्त्रीइजाणी पश्चात्तापकरतीदैरागपामीदिह्यालीधी वा

देव

रित्रपाली तपकष्टकरी पापशालोई मरीदेवलोकिंदेवताघई हवेयज्ञदेवबालनो जीवदेवलोक
 धकीववीराजगृहनगरनईविषई धनावहसेविंतेहने विलातीनामिंदसीतेहनेवोविलातीनामिं
 वधयो सृगकस्यामाटई अनईस्त्रीदेवलोकधीववीधनावहसेविंतेहने विलातीनामईदासीतेहने
 वेलेविलातीनामिंउत्रधयो रजसयातेहनीसुंसमानामिंवेटीघई तेहनेविलातीपुत्रदासबई तेहसा
 मईरमाभई एकवारतेदासनईकुवेष्टाकरतोमाबापईदीतो अयोग्यजाणीतेहनेघरबाहिरकाबो
 जईचोरनीपालेचोरनेमिल्यो साहसीकजाणी तेहनेपालिनोधणीकीभे एकवारतेविलातीपुत्रधनाव
 हसेवधुघरलूटकासारु घणचोरबुधाहुंलेईआयो कलंधनलूटतेतुलासं अनेसुसमाकन्यामाह
 रीएहवोपरवकारीघरलूटकं धनबीजइवोरइलीकं अनईसुसमाकन्यापोतईविलातीपुत्रइलीधी एतले
 धनावहसेठनेजाणघई पोतइपोतानापवेटा नगरनोकोटवालतेमीबाहरिंधायो बीजाचोरदिसोदिसे
 नावा विलातीपुत्रनीकेमिकीधी वनमाहिगया दृष्टिदृष्टिमिल्या तिवारइविलातीपुत्रइवीतयुं जेयतो
 घणऊंतोएकलोपोहवीनसऊं अनईकन्यासुंकीनासुंतोएकन्यावलीकोइकबीजानइसोप्यआ
 वसे एहबुंविचारीधमगिं करीमस्तकवेदीमस्तकलेइधमपसुरहिंवादेई तिहांधीनावो तिवारइसेठ
 पसुरवेजाणुं एकन्याआपणाकामधीटली एहबुंजाणीशोकातुरधका सर्वणबाफिरीघरेआवीदेर
 गपामीपुत्रसहितधनावहसेविं श्रीमहावीरपासेजाईदिझालीधी हवइतेविलातीपुत्र एकइहाधि
 मस्तकबीजेहाधिधमगलोहीपरमइद्वारीरइ महारोइबीहामणोचालोजाइवे एहवइतेवननइवि

१८

र्वकवांछा एहवेएकव्यवहारीइगो पिवइवेदेवीमनमाहिंवीतकं कोइकमोठामातुलावदीसेवे
 जेहनेअक्षरायसरीपापगोलागइबइएहबुंजाणीढंढणकुमारकृषिनेघरेपधरावी सिंहकेसरीयामो
 दकवोहराया तेलेइश्रीनेमिनाधपासेआया कलंधनआजमाहरीलक्षिमोदिकवोहसावेसाकनइसां
 वनागआपो तिवारेश्रीनेमिनाधकहइ एकन्यानीलबधि पणितुलारीलबधिनही जेमाटेअक्षजीउल
 नेवांछातेदेवी विवहारीइवोहराया एपरववो तेपरववोवाकंसारनेनीमाइगयो मोदिकचरीपरवव
 वांविशुद्धध्यानिकरीघातिकर्मधकरीकेवलज्ञानपांम्या देवइंडुसिवागी अत्रकमेकेवलपर्यायण
 लीमोक्षिंभुहता इमसाधइआहारनेविषेप्रतिबंधनकरवो इतिढंढणकुमारनीकथाएरघई

आदारेसुसुहेसुअ रमावसहेसुकाणोसुं व साक्षणनाहिगारो अहिगारोधम्मकजोसु ४०

साक्षकंतारमहालयसु अविजणवणविमुइयमि अविनेसरीरपीमं सहंतितलहंतिविरुद्धं ४१

जंतेहिं पीलिया विज स्वदगसीसानवेवपरिक्रविया विईअपरमञ्जसारा खमंतिजेपंमियाजंति ४१
 ॥ हवइउपसर्गआवां पंमिनासक होइतेकोपनांणइ तेऊपरिस्कंदकाचार्यनीयणशिष्यनो ४२
 दृष्टांतदेवामइवे जंतेहिं ५ हांकवाजाणवी आवकंस्तीनगरीतिहांजितराजराजाजकरइवे तेह
 नेस्कंदकएहवेनामेपुववे तेहनीबहिनपुरंदरजसाएहवेनामिंबे तंकंसारकटकनगरनइविषे
 देमकएहवेनामिराजातेहनेपरणावीबइ तेदेमकराजानेपालकएहवेनामिंपुरोहितवे तेएकवार
 रकोइककार्यनइविषइ देमकराजाइ आवस्तीनगरीइजितराजराजापासेमोकल्योवे तिहांजितरा
 जराजानीसत्तामाहिं धर्मनीवर्वाकरतांतास्तिकमतस्त्वापवामानुं तिवारेस्कंदकऊमारइ जैनमत
 नीमुक्तपुत्रकेंकारी तेहनेनिरुत्ररकीधोलासो मानसपुत्रयोधको क्रोधपामीपोतानेनगरिंगयो
 हवइकेतलेकदिवसेस्कंदकऊमारवैराग्यपामी श्रीमुनिसुवतस्कापीपासेपांचसेपुरुषसंघातइ
 दीहालीधी अत्रुक्रमिंदगारअंगलणी तेपांचसेताआचार्यधया एकवारस्कंधकाचार्यइ श्रीमुनिसुव
 तस्वामीनइहृक् स्वामीबुलारीआज्ञाहोइतो ऊंलकारकटकनगरनइविषइ माहरीबहिनबइ पुरं
 दरजसातेहनेप्रतिबोधवाजाउ तिवारेलगवंतकहे तिहांगयाबुलनइशाणांतउपसर्गबइ तिवारइस्कं
 दकाचार्यकहइ कहोसगवंततेशाणांतउपसर्गआवां अलेआराधकथासुं किंवादिगधकथासुं ति
 वारइलगवंतइकलं एकबुलविनाबुलारासाधककी पांचसेआराधकथासुं एहबुंसांरलीमनम

१५

चीतबुंतो ललुंजोमाहरइसाहाअइ एमर्वआराधकथासुं एहबुंविचारीकंलकारपुरलणीवाल्याति
 वारइपापीलकपुरोहितइस्कंदकाचार्यनइआवतासांरली उद्यानतइविषइराजाबाना नानाप्रका
 रनांशस्त्रधरतीमांहिंसताम्यां पढेतेउद्यानमांहिंआवीस्कंदकाचार्यपांचसइसाकनेपरिवारइसमो
 स्या राजाइआवांसांरलीनगरलोकसहितपोतानो परिवारजेइविनयमर्वकवां दीबइवा आचार्यइध
 र्मदेशनादीधी तेसांरलीयणलोकहर्षवंतधया प्रतिबोधपाम्या हवइपालकेंएकांतेराजानेकलंजेए
 साधनधीपाषंमीबइ बुलनइअहितववनकअंहुं एकसहस्रयोधीपुरुषपांचइलेइयतीवेधिवला
 संराज्यलेवाआवावे तिवारेराजाकहेतेकिमजाणीइ पालककहइदेवामसुंएहबुंकपटपणुंबुलने
 प्रत्यक्षदृष्टि एहवेतेसाकबीजाउद्यानतइविषइगया तिवारइराजानेतेमीदेवाम्यां तेसर्वशस्त्रपढेरा
 जाइजाणुं एवानवरीदीसइवे पढेराजाइपालकपुरोहितनेआज्ञादीधी बुंजाणेंतेएहनेदेमकरितिया
 रतेपापीपालकपुरोहितने मउषपीलवानोशाणोआणीपीलवामानो स्कंदकाचार्यप्रत्येकइशक्तिकामइ
 धैर्यदिइ इमपापीइव्यासेनवाणपील्या तेविशुद्धध्यातवंतधकाकालकरीमोहेंगया एकनोनोबेलो
 रलो तिवारइस्कंदकाचार्यकलं पहिलांमुक्तनेपीली पढेवेलानेपीलजे इमकलामाटइतेपापीउष्ट
 वामालइ पहिलांतेवेलोपीलो तेमरीमोहिंपुरतो हवेस्कंदकाचार्यनइकोधवद्यो जोउपापीबालो
 माहाराचारसेनवाणुशिष्यपील्या तोहिंनबोल्पो अनइएकवेलोपढेपीलजो एतलुंकलंनकीकं
 तोराजादेसलोकसहित एहिनोमारनारकंवायो एहबुंतीयाणुकसुंपढइपीलोयकोमरीअमिकमा
 रदेवताधयो अवधिजानेदेवीउद्यसुं वैरधीकोधइवद्यो एह

देलोहीपरमोउधोपमोवे, एहंजाणीसमलीइलीओतेपामोसमलीइपुरंदरजसाबहिननाधरनेआ
 गणेतेउधोउलणो लोकनामुखधीसर्वहतांतसांतलो पवेराजानेकलं अरेयापीएसुअकार्यकरा
 बुं धिगस्त्रुहोएवालाणकर्मचंमालने एहतांतजाणीधणालोकवैराग्यपामीदीक्षालेवानोसावधस्यो ते
 हनेअनेपुरंदरजसाराणीनेसासनदेवताइउपामी मुनिसुवतस्वामीयासेमूक्योतेणितिहांदीक्षाली
 धी पवेतेअभिक्रमंरदेवताअतिक्रोधआणीबाल्यो तेदंकारणइमवीजेपणियंमिंतसाकएउयसर्ग

जिनक-तीर्थकरतेहोवयण- अवगयक-जाणोतेसंसारक-सं
 वचनबोलांकबायनाविषमवि- सारतोअसारतारुपचोरक-रोड
 याकरुपतेसुइ-सांलवेकइक- आकरोयेयाला-विचारजेणिएह
 रीसकनाक-जाणययावइ वो

जिनवयणसुइसकना अवगयसंसारघोरापयाला बालाणमंतिजई जयत्रिकिंइअअक्षेर धर
 न-नहीकुलंक-कुलउं हरिसबलसक-हरिकेसीमातंगसाध
 इअक-इहोपहाणंक- निकिंक-सुंकुलंक-कुलआसीक- आकंपियाक-आदर्या
 प्रधानकारण कुंतोहउं कुंतातवेणंक-उग्रतप सुराविकदेवताइपणिजंक-जे

नकुलंअअपहाणं हरिहंसबलसकिंकुलंआसि आकंपियातवेणं सुराविजंयधनधंमिंमेष
 ॥हवइधर्मतइविषइकुलउंकारणनजाणबुं हीनकुलतोऊइ अनइतएसंयमनइविषइहउऊइतोदे

वतातेहनीसेवाकरतेहउपरिहरिकेशीवांमालसाफनोहृष्टांतदेवामइवे नकुलं ४४ इहांकवा हवइ
 हरिकेसीनोपाबिलोतवलिखिइवे मकरानगरीतेहनीस्वामीशंखराजावैराग्यपामीदीक्षालेई विहार
 करतो एकवारलिहानेअर्धइहस्तिनागपुरनगरनिंविषेआयो तिलांसोमदेवपुरोहितपासेमारगस्यो
 तिलेधेपेकरी व्यंतराधिष्ठितअग्रिमयमारगवे तेअजाणोजाइवेबलीतिलोमरइ तेमारगदेवामो जाणुं
 एयतीबलस्ये कुंगोषिंबइवोतमासोजोईस एहवीबुद्धेयवेतेशंखराजकृषितेमागिगयो साफनेप्रलावइ
 तेव्यंतरनासीगयो मार्गशीतलधयो साफहलूइइयासुमतिंवालतो तेसोमदेवपुरोहितेगोषिंवेवो धर्मनो
 प्रलावदेवीमनमाहिंपयातापकयनो लामेकुंकीकंहुंयणिएमहापुसेधसाधने प्रलावेमार्गसीतलदी
 सेवे इमवीतवीआवीयगेलागो पोतानोअपराधमामो साधियोणजाणीतेहनेधर्मदेशनादीधी प्रतिबो
 धपामीदिक्षालीधी वारिउषरुंणलेणिलालणजातिमाटिं लिगारेकजातिनोमदकरइ तिलेकरीनीव
 कर्मगोत्रवांधं पवेकालकरीदेवताधयो तिलांशीववीनीविगोविनाउदयधकीगगानदीतेतटिंबलके
 दएहवेनामिंवांमल तेहनीगोरीनामिंसार्या तेहनीकृषिंकयनोसुपतमाहिंआबोदीवो अत्रक्रमेजन्म
 धयो हरिकेशीबलनामदीधु मोटोधयो एकवारवसंतउसवनइविषइ तानांबालकमाहिरमइवे बाल
 कनइमारइवडवाफिकरइ तिवारेसधलेबालकेमिलीतेहनेबाहिरकावो एहवेतिलेएकेस्नानकिंसी
 वषसायहतोतेलोकेमास्यो अनेनिर्विषहतोतेसायनमास्यो जीवतोमूक्यो तेदेवीहलूकमीरणी एहवो
 विचारकयनो जेसंसारमाहिंरुंजीवपोतानेदोषिंजडुधियाघाइवे एहवुंवीतवतांजातिस्मरणऊपउंसा

क्रमिलीधर्मसोसलीवैराग्यमीदीक्षालीधी ब्रह्मअधमादिकडः करतयकरतो एकवारवाणीरसीतग
 रीनइविषइ तिडुकवचनमाहिंतिडुकयज्ञतादेहरामाहिं आवीरलोबइ तेयज्ञपणितेसाधनातयसु
 एनोरंजोधकोसुकीबीजायापारनित्यतेसाधनीलक्रिकरइ एहवेतेनगरनोरजातेहनीबेटीसडाएह
 वेनामितेयज्ञनेषजघाआवी परदक्षिणादेतां तेमातंगसाधनेमिलमलीनगात्रदेवीसूगकरीमुखमचके
 मीधुकी तेदेवीयज्ञनेकोधवद्यो देमाहुंमाहरास्वामीनइअवताकस्याहुंफल एहहुंवीतवी तेहहुं
 रीरअधिष्ठं तगहिलीधई नानाप्रकारनां विलापकरवामाया सुखवांऊंराणुं स्वजनयगराजापासि
 लेईगया राजाइपणिअनेकउपायकस्यापणिसमाधिनघाइ तिवारइयज्ञपत्यक्षधईबोल्हो एपापिणीइम
 हरोस्वामीतेहनेहसीबे तेमाटिंजोतेहनीस्त्रीघाइतोऊंएहनेसुंऊं नहीतरिसर्वभूतं नहीतिरिसर्वीरेराज
 रइजाणुंलखेजीवतीरहेस्ये तोपरणावीइ एहहुंजाणीपरिवारसहीत तेकन्यानेसिणगारीलेईगया तेसा
 धनइपासिंपगेलागीकहवालागो स्वामीएमाहरीपुत्रीहुंलेपाणिग्रहणकरो तिवारेसाधककहेमहारा
 जाअलेकांमसोगधकीतिवर्त्ता तेमाटेएकन्याअलारेसाधनेपरणावीनकल्यो तिवारेयज्ञेतेसाधनेरूप
 करीतेकन्यापरणी रात्रिनाचारपोहरलोगी विमंभनाकरीप्रतातिसुपनसरीहुंदेवीविवायवदतघ
 कीगई राजानेपासेंकलो सधलोरात्रिनोचत्रांत तिवारेरुद्रदेवनामापुरोहितबोल्हो एकविपत्रीधई ते
 माटिंएवालयनइदेवीकल्यो एहहुंवेदमाहिंकडंइ तेसांसलीराजाइतेपुरोहितनेजपरणावी तेनडा
 नामिंराजकुमरी पवेतपुरोहिते एकवारयज्ञकरावांमाम्योबे धणाबालणतेयज्ञमंमयेमिल्यावेअ
 नंतरंथाणांवे एहवेतेहरिकेसीसाधमासधमणतेमारणेसिद्धानेअर्धइतेयज्ञमंमयेनेविषइआवीसिद्धा

२१

नीयावताकीधी तिवारइतेअनार्यबालणबोल्हो एअन्नबालणनेदेवायोग्यवे अनइतेहनेदीधुंजअम
 रइ सहसगणुंघाइ तेमाटइउकनेएअन्ननहीआपीइ मातंगमेलोकूरूपदेवीऊणवे उंजाइहांधीपरो
 सुंऊंलोधईरलोबे इमकहीहसवामाया तिवारइतेयज्ञसाधनागारीरमाहिंपइसीबोल्हो अलेश्रमण
 यतीहुं जावझीववलंवर्यअहिंसादिकव्रतनाधरणहारहुं तेमाटइएअधमानअन्नादिकअमनेआ
 प्यांजपारपामस्यो पणियशुवधदिकहिंसाइसहितअवलचारीबालणनेअन्नजिमाम्यां पारनहीयामे
 इत्यादिकवचनेकरीबालणनइतिरस्कारकरी तिवारइबालणनइकोधवद्यो साधनइंहीकइया
 इइलाकमीइताजणेकरीमारवामाम्यो तिवारइयज्ञनेकोधवद्यो बालणसर्वनइमारीमुखमेलोहीनांघ
 तांस्वासरहीतकाष्टनीपरिधरतीइनाया एतलेकोलाहलप्रयो तेसांसलीलजाराजपुत्रीयज्ञमंमयेधीव
 ॥हिरआवी तेदेवीकहइअरेणापीउंएसंकीधुं उलेनजाणो एतपस्वीसाधकंऊंराजपुत्रीइणेष्टणानीपा
 रतांमदी एहनीसेवादेवाताकरइबइ एहनेषगेलागीधमावो नहीतरिएरुद्रोषकोसर्वनइबालीलसमकरस्ये
 एहहुंसांसलीतेबालणलयतीतधकायमेलागीधमावोवेमासुं लोस्वामीअलारेअपराधमो तिवारेह
 रिकेसीसाधबोल्हो हवणांअनेपहिलाइ एणमाहुरइकोधनधी एमाहुरावेयावचनइअर्धइयज्ञदेव
 ताहुंकरणीबे तेमाटेयज्ञनेसंतोषो जिमउलारोबटकोघाइ तिवारेयज्ञनेसंतोषो यज्ञेसर्वजीवताक
 धा पठइसालिदालिहृतशाकादिकइसाधनेप्रतिलास्यो पावेदीवप्रगटयया तेहनांतसांसलीआयो
 राजानगरलोकसहितवांइवाहरिकेसीमुनीअरेदीधीतिहांसविस्तरधर्मदेशना तेसांसलीराजाप्रभुस

घणालोकप्रतिबोधपाम्ना धोलानिपणिप्रतिबोधीश्रावककस्या षडरुहिकेसीसाधवारिचपाजीमे १
 क्षिपोरुता तेमाटेइ हांऊलउकारणनही जेमाटेजीवउंचनीचादिकनवनवांऊलणामेवे एहरिके ४ १५

देवोक-देवताकिवारेके वाइ नेरइउत्रियक-एजी वकिवारेकेनरगइनार नारकीवाइ	कीमक-एजीवकिवारेकूमिकी मोवाइ पयंगुत्रिक-एजीवकिवा रेपतगीआपुप्रतिबोधवाइ मा पुसोवेसो-एजीवकिवारइमवण वाइ	रुवस्सीअक-एजीवकि वारेरुपवेनकटकोवाइ विरुवोक-एजीवकिवा रेविरुपकरुपवाइ	सुहलागीक-एजीवकिवारेसुख नोलननारसुपीउवाइ-उखसा गीयक-एजीवकिवारइउपनोल जनारउपीउवाइ	गउ त्रि- एजीव किवा रइ
--	--	---	---	-----------------------------------

देवोनेरइउत्रिय कीमपयंगुत्रिमापुसोवेसो रुवस्सीअविरुवो सुहलागीउरकसागीय धप रा

राज्यनोधणीराजावाइ दमगुत्रियक-एजीवके वारेलीवारीलीवनोमा गणहार	एसक-एजीवसपागुत्रिक-किंवारइ चेमालवाइएसक-एजीववेयांक वारवेदनोविउक-जाणणहारवा लणवाइ	सामीक-किवारइधर नोधणीवाइदासोक- दासवाइ उऊकाक-म जसहनेमान्यवाइ	खलुत्रिक-किवारखलइर्जनवाइअधलो क-किवारकेनिर्दनदलिडीवाइधणवडा त्रिक-किवारकेधणयतिधननोधणीविब हारीउवाइ-नवि-नधीइअ-इहोकोइ-को
--	---	---	--

उत्रियदमगुत्रिय एससयागुत्रिएसवयविउ सामीदासोउऊो खलुत्रिअधलोधणवइत्रि धइ

इनियमोक-नियमजेजेह वोऊइनेतेहवोवाइएह वोनिश्चयनही	सकम्मक-पोतानाकर्मउंविणिविउक-तीपजा वउंकरउं सरिसक-तेसरिबीकम-करइतउं विउक-वेडा	अउन्नक-नवनवां रुवक-रुपवेसोक- वेष नउव-नटा	वानीपरेपरियनएक-परावर्त पालटेरुपअनेवेपजीवोक- एजीवसंसारमाहिफिरतोव को
--	--	--	---

नविइअकोइनिय सकम्मविणिविउसरिसकयविउो अउन्नरुववेसो तउवपरियनएजीवो

कोमीक-कोमसपर धनसुवर्णादिकनोसमूह एतलइ धणा धनसहीत	क- करीनेसुतरियाइ-तलेप्रकारे सरीवरीएहवीकत्राए-कन्या म सुंणीतेहनइविषइ	गुणक-रुपलावणादिकगुणे करीनेसुतरियाइ-तलेप्रकारे सरीवरीएहवीकत्राए-कन्या म सुंणीतेहनइविषइ	नविउहो-लोलाणोनही लधनवयोतेधनसहीत कन्याउपरिरागनधसोऊ लेवयरिसी-वज्रस्वामीरि	अलोतयाक-अलोततानि लोतताएस-एहवीसाऊणे- साधयतीनइकरवी	बीखरेजेले- पोवाइग्यारअ तण्णा
---	--	--	--	--	------------------------------------

४७ कोमीसएहिंधणसंवयस्स गुणसुतरियाइकत्राए नविउहोवयरिसी अलोतयाएससाऊण
 ॥हवइकोइककिवारेकनककामिनीप्रभुभिनिमंत्रणाकरइं पणिसाकं होइतोतवांते तेऊपरिश्रीव ४८
 यरस्वामिनोहृष्टांतदेवामेवे कोमीः ४८ उंचवनगामनेविषेधनगिरिनामइंयवहारिउ तेहनेसुनंदातांमे
 स्त्रीतेहनेसाक्षानपलेबांमी धनगिरीइंश्रीसीहगिरिआचार्यपासें वैराग्यपामीदीहालीधी पडेसुनंदाइंउ
 वप्रसवो तेउवजातमावधकइंपिताइंदिह्यालीधी एहउंसांनलीजातिस्मरणकपउं मानेउधेगकपतोवे
 नित्यइंरोइंइमकरतांमहिनानोधयो एहवेश्रीसिहगिरिआचार्यतगामनइंविषइंपक्षस्या जिवारइंधन
 गिरीवोहरवापांगस्या तिवारइंशुरेकहं मलाउसावआजगोवरीनेविषेफिरतां सचित्तअचित्तमिलइंत
 हउंहरयो नामकरहस्यो एहउंशुरुउंमवनसांनलीधनगिरिमुनिगोवरीइंफिरतांपोतानीस्त्रीसुनंदातेह
 नेधरेजइंधर्मलातवीधो तिवारेसुनंदाकहे आलोउलारोउवप्रभुनेसंतापइंउं एहउंकलाऊतांध
 नगिरिइं कोलीमांहीसुनंदाइंउववहिरावो तेलेइंउपासिरइंआव्याकोलीशुरुनेहामेदीधी वज्रतणीप
 रिलारजाणी वज्रएहउंनामदीकं साधीनेउपासिरेते तिलापालणइंपोद्यांसाधीनेलणतांसांनली इण २
 रअंगराणां हवइंजेतलेविणवरसनोधयो एतलेसुनंदामोलेवाआवी धनगिरिपिताकहिंनहिआउं
 जेमाटइंमुकनेवोहरावोवे इममालोमाहिंकगमोलगो वटताशराजायासेगयामाकहइंमाहरोउवअने
 पिताकहेएमाहरोउव तिवारेराजाकहे ऊंनाराकोनेकोऊं उलवेतोउववे एणिएबालकजेहनोतेस्यो

जेपासिंजाइतेहोनोएषुत्र एहोनायकीधो तेसांललीसुनंदाभातानाप्रकारनांरमेकमांनानाप्र
 कारनीसुषमीनाताप्रकारनामेवात्पावीबालकनेदेवामे आबोश्चसआलो जेजोइइतेपणिवज्र
 कमरसाहंपणितजोइतिवारेधनगिरिकहइ आबोवसुआउधोवइअमारइयासेजोइतेत्योति
 वारइवयरकुमरउधोलेइमावेवडावीसलामाहितामोलोकसर्वनइअअर्थकपवुं जोउत्रिलव
 रसनाबालकमाहिं कौहंजानवेपवेआववरसतोधयोतिवारइदिहलीधी सुनंदापणिसाधेदी
 जालीधी अउकमिंसीहगिरिआचार्यइपोतानेपाटिंघाया पाबिलालवनेमित्रदेवताइ विक्रियत
 शिअतइआकासगामिनीविद्यादीधी इमविद्यातिसयधकाविहारकरइ एहवइएकवारपाहलीपु
 रनगरनइविषइधनावरसेवनेधरेसाधीक तरीवइ तेथीवयरस्वामीनागुणनीवर्त्तनाकरतांधना
 वरसेवनीवेटीरुकमणीएहवइनामितिले सांललीपोतानापितानेक हं माहुरइवयरकुमरउप १
 णीग्रहणकरवुं एहवोनिअयकसोवे एहवइविहारकरतां श्रीवयरस्वामी तेपाहलीपुरनगरनइवे
 षइमध्यास्यातिवारेधनावरसेविं श्रीवयरस्वामीआयासांललीपोतानीवेटीरुकमणीतिं सिलगारी
 सोकोमिधनसोतइआसहितलेइधिनयध्वक वादिहाधजोमीकहवालपो स्वामीएअलारीपुत्री
 प्राणधकीएणिधपुंवल्लतवइ तेउलकपरिधपुंअउगारीवइ तेमाटिंएकन्यासोकोमिसोनइआस
 हितलेइमुकनेअउग्रहकरोतिवारेवयरस्वामीबोला सोमाउतावएकन्यासोलीकांइनबीजांलती
 जेमाटेअलेमोक्षरूपणिकन्यापरणवाअधवसायबाधोवे जेणोतएमउपनीकन्यामलमूत्रअमूत्रि
 अयविवइतरीतेहसुंऊणसंबंधकरइ अतइबीजुअलेबांमोक्तककामिनीनोसंग तेमाटेएवातन

२३

घटइ एमकरतांजोएकन्याअलऊपरिरागधरइवइतोलोदीक्षाकरोपोताउहिततपसंयमादिक इत्या
 दिकेववनेप्रतिबोधीदीक्षातेहनेदीधी चारिवपालीसदगतिनीनजतारीधई वलउंश्रीवयरस्वामीदस
 धर्वधरअनेकजीवनइप्रतिबोधदेताहृदिनेविषइविहारकइ श्रीवयरस्वामीठवरसधरनइविषइर
 ला ४४ वरसगुरुनीसेवाकीधी ३६ वरसमुगप्रधानपलेरला ८८ वरससर्वआयुपालीश्रीमहावीरप
 बी ५८४ एतलेवरसगयांतिवारेश्रीवयरस्वामीदेवलोकेपुहता इमजेहवीवयरस्वामीइधनकन्याऊ
 परइतिलेसताकीधी तिमबीजेसाकइपणितिलेनताकरवी एश्रीवयरस्वामीनीकवा एतले १६ कषा
 अंतेवरक-स्त्रीइकरीपुरक-नगरइकरी करक-ललांसिरिधरेहिक-आ कामेहिक-समाशहृपादिक बंदिहंताविक-ति
 बलक-उरगादिकेकरीबाहलेहिक- घरलक्ष्मीनांघरएतलइ संनारि कामिकरीवज्रविहेहियक-व मंत्रिताऊंता एणि
 रघसुखासणेनादिकइकरी करीछलिक-मुनिस्वरसाधतेमा ऊविधनानाप्रकारनइ एतलइ नेछतिक-
 हिं वसल-वृषसधोरीसमानने त्यादिक घणाइप्रकारइकरी

अंतवरपुरबलवाहणेहिं वरसिरिधरहिंसुणिवसहा कामहिंबज्रविहेहिय छंदिहंताविनि
 नवां वेउक-वेदकांनप्रमुष आयासक-इयकपाज्जिवातइकाजइसं मरणक-जीववीजाउं अरइक-मननोउदवेग
 वइ उत्रोमहं सेउक-लेइ रीरनोप्रयासकिलेसक-लमृषादिकउस धम्मक-धर्मनोलसोक अज्ञाउक-अर्थवकीस
 यन्नादिकइविदारव हंउलयक-वीहंउराज्यवोरादिकनाहुरवा लेशधर्मवकीउकउ बाइक-सधलाएयासेप
 धकीविवागोअक-कलहवठवाहिउंकरउ त्वादिक घणाइप्रकारइकरी रवकी-मुवापरतिरापमा
 मतो अर्थपामइ

छंति ४ए छेउलेउवसणं आयासंकिलेसलयविवाउं अ मरणधम्मप्रंसो अरइअज्ञाउसवा

जेणसिंजाइतेहोएषुत्र एहोनायकीधे तेसांलली सुनंदा माता नाना प्रकारनां रामेकमां नानाप्र
 कारनी सुषमी नानाप्रकारनामेवा ल्यावी बालकने देषामे आबोश्चस आलो जे जोई इते पणिवच
 ऊंमरसाहं पणिन जोई ति वारे धन गिरिकहं आबो वक्त आउधो बइ अमार इपा से जोई ते लो ति
 वार इ वयर ऊंमर उधो लेइ माधे वटावी सलामाहिं ता म्मो लोक सर्व नइ आ अर्थ कय वं जो उत्रिण व
 रसना बालक माहिं कोहं ज्ञान वें पवे आ वरस नो ध्यो ति वार इ दिहाली धी सुनंदा पणिसाधे दी
 जाली धी अत्रु क मिंसी ह गिरि आचार्य इ पोताने पाटि घाया पाविला लवने मित्र देवता इ वि क्रियत
 शि अत इ आकास गामिनी विद्या दी धी इ म विद्या तिसय धका विहार कर इ एह व इ एक वार पा मली पु
 रत गरन इ विष इ धना वरु से वने धरे साधी क तरी बइ ते श्री वयर स्वामी ना गुण नी वर्त्तना कर ता धना
 वरु से वनी वेटी रुक मणी एह व इ नामि तिणे सांलली पोताना पिता ने क लं माह र इ वयर ऊंमर उध
 णी ग्रहण कर वं एह वो नि अय क सो वे एह व इ विहार कर तां श्री वयर स्वामी ते पा मली पु रत गरन इ वे
 ष इ प धा र्था ति वारे धना वरु से विं श्री वयर स्वामी आया सांलली पोतानी वेटी रुक मणी तिं सिल गारी
 सो को मि धन सो न इ आ सहित ले इ धिन य धर्व क वां दि हा ध जो मी क ह वा ल पो स्वामी ए अ लारी पु वी
 प्राण ध की एणि ध पुं व ह्न त ब इ ते उ ल ऊ प रिं ध पुं अ उ गारी व इ ते मा टिं एक न्या सो को मि सो न इ आ स
 हित ले इ मु फ ने अ उ य रु करे ति वारे वयर स्वामी बो ल्या सो मा उ ला व एक ल्या लो ली कां इ न धी जां ल ती
 जे मा टे अ ले मो क्ष रूप णि क न्या प रण वा अ ध व सा य वा धो वे जे लो त ए म उ ध्य ती क न्या म ल मू व अ मू वि
 अ प वि व इ ल री ते ह सुं ऊ ण सं व ध क रू इ अ न इ बी जुं अ ले तां म्मो क न क का मि नी नो सं ग ते मा टे ए वा त न

२३

घट इ एम कर तां जो एक न्या अ ल ऊ प रिं रा ग ध र इ व इ तो ल्यो दी द्वा क रो पो ता उ हित त प सं य मा दि क इ त्या
 दि के व व ने प्रति बो धी दी द्वा ते ह ने दी धी चारि त्पा ली स द ग ति नी त ज ना री ध र व ल उं श्री वयर स्वामी इ स
 र्व ध र अ ने क जी व न इ प्रति बो ध दे ता ए धि ने वि ष इ वि हार क इ श्री वयर स्वामी उ वर स ध र न इ वि ष इ र
 स्ना ध ध वर स गु रु नी से वा की धी अ वर स यु ग प्र धा न प ले र स्ना उ वर स सर्व आ मु पा ली श्री म हा वी र प
 बी उ वर स ए त ले वर स ग यां ति वारे श्री वयर स्वामी दे व लो के पु रु ता इ म जे ह वी वयर स्वामी इ ध न क न्या क
 प र इ नि लो त ता की धी ति म बी जे सा ध इ प णि नि लो त ता क र वी ए श्री वयर स्वामी ती क वा ए त ले इ क वा
 अ ने उ र क स्त्री इ करी पु र क न ग र इ करी क क ल लो सि रि ध रें हं क आ कामे हं क स मा त्र ह रू पा दि क बां दि सं ता वि क नि
 ब ल क उ र ग दि के करी बा ह लो हं क य र ल ली नां ध र ए त ल इ ल ना रि का मि करी व ऊ वि हे दि य क व मं त्रि ता ऊं ता प णि
 र ध सु र वा स ण ना दि क इ करी करी व ल क सु नि स्वर सा ध ते मा ऊ वि ध ना ना प्र का र न इ ए त ल इ ने छं ति क
 दि व म हा वृ ध स धो री स मा न ते त्या दि क घ णा इ प्र का र इ करी

अत उर पु र ब ल वा ह ले हिं वर सि रि ध र हिं मु णि व स हा का म हिं व ऊ वि हे दि अ छं दि यं ता वि ति

न वां वे उ क वे द कां न प्र मु ष आ या स क इ वा क पा र्जि वा न इ का ज इ सं म र णं क जी व धी जा वं अ र इ क म न नो उ द वे ग
 व इ उ त्रो म वं ले उ क ले द री र नो प्र या स कि ले स क ल ष रू पा दि क उ स ध म्म क ध र्म नो ल सो क अ ज्ञा वं क अ र्ध व की स
 य क्ता दि क इ वि दार वं ह उं ल य क बी ह उं रा न्य चो रा दि क ना ह र वा ले स ध र्म व की त क वं बां इ क स ध ला ए वा मे प
 ध की वि वा गो अ क क ल ह व ह वा नि उं क र उ र व की ध वा प र नि रा प मा म नो अ र्ध पा म र

छं ति ध ए छे उ ले उ व स णं आ या सं कि ले स ल य वि वा उ अ म र णं ध म्म सं सो अ र इ अ ज्ञा उ स द्वा

दोसक-... जादक-प्रवाजीव	उच्च-... सर्वलेखिक-रिषिधरेवि-	अथक-अर्धप्रत-वह	कीसक-स्थानली-अण-अक-
वधादिक-सयक-सो-एगमेतेहना	विशेष-वचिउक-वर्जित-निवासे	सिक-वह-उरेग-वह	निरध-कफोक-उतव-तपसं
मूल-मूल-मूल-जालक-जालस	जईक-यती-एवतक-वमो-ओमोए	अण-अन-अन-अन-अन	यमवरसि-आचर-उतेएत
वह	हवउ	रनाहार	ले-अर्ध-न-उ-रा-व-दी-या-फो

कथाऽ

५० दोससयमूलजालं सुधरिसिविद्वज्जियजईवंतं अथवहसिअणअ कीसअवअतवंचरसि

वहक-लाक-मी-ए-वी-इ-रु-उ-व-ध-ल-क-	काउ-परि-उ-ल-क-ए-ल-परि	वत-उ-जो-परि-उ-ल-क-परि-उ-ल-	जइ-क-यती-तो-ध-मो-क-ध-म-पे-व
होर-उ-प-उ-म-व-ध-व-म-र-ण-क-तो-हि-व-र-वो	गा-दे-क-परि-उ-ल-क-व-त-इ-न	ज-वि-य-उ-उ-रा-व-ध-म-व-म-क-	म-ल-व-त-उ-ल-तो-ते-न-ए-क-लि
से-ह-ण-उ-क-ना-ना-व-कार-ना-क-द-व-ना-व	जि-क-न-ही-त-ज-इ-क-ते	ण-की-जे-ए-त-ले-व-ध-व-ध-दि	अ-इ-य-व-व-क-ध-प-व-व-ग-वि-द्या
करवउ		अ-ण-परि-उ-ल-क-म-हि-न-ही-उ	जालवी

अपिबसधर
परिग्रहमादि

५१ वहवंधणमारणसेहणाउ काउपरिगाहनच्चि तंजइपरिमाजच्चिय जइधम्मोतो नणुपवंचो ५२

किं-क-सु-आ-सी-क-ऊ-उ-न-दि	जं-क-जे-ह-रि-उ-ल-स-क-या-द-व-क-ल	आ-सी-क-य-यो-स-क-ध-यो	ले-क-री-वी-जे-न-वि-व-सु-दे-व-ना
से-ण-स-क-ने-दि-वे-ण-क-वि-ध-र	के-ह-उ-वि-उ-ल-स-क-वि-उ-ल-वि-स्ती	पि-या-म-हो-क-पि-ता-म-ह	सु-जि-क-व-सु-दे-व-ए-ह-वे-ना-मि
उ-क-ल-क-ऊ-ल-का-इ-तो-र-उ	ए-मो-ह-उ-त-ह-उ	व-म-उ-उ-सु-क-न-लो-व-रि	द-श-मो-द-श-र-ध-यो ५३
तोइ		ए-ण-क-चा-रि-त्र-वे-या-व-व-ते	

किंआसीनंदिसेणस्स ऊलंजहरिकलस्सविउलस्स आसीपियामहोसु धिरणवसुदेवनामुते ५३

२४

॥ अथहवइआलवइदोलागीउवीउऊइ अतइजोवियाववादिकतपकष्टकरइतोआवतइलवइसो
लागीसुवीउघाइ तेऊमारनंदिषेणकंदलिडीबालणनोहृष्टांतदेमामइवइ किंआसीःइहांकथाजाणव ?
मगुधदेशनेविषइ एकनंदिनामेगामवइ तिहांचक्रधरनामादरिडीबालणवसइवइ तेहनीसोमिलाना
मिस्त्रीतेहोपुवतंदिषेणएहवेनामिं तेहताजातमात्रनामावापमरीगयां निवारइमावाइपालीमोहो

रावा निश्चितधिकोषावावइतोवे तेसांललीनंदिषेणसाककोलीउपावोसुंकीआहारटोकीबीजाय
तीनेललावीकरवालागो वालोस्वामीजिहंतुमाहारेयुसऊइ तिहांजईइतिवारइतेदेवरुपीस २
धकरइ धोवासारुणीजोईइतिवारइनंदिषेणपाणीनइअथइ नगरमाहिंवोहरवागया देवता
याणीअसूत्रंकरे इमवारइफिरसो वीजोवारफिरतोलासांतरायकर्मनइअयोयत्रामइ तएलशि
देवताविग्रहवित्रधकोपाणीसूऊउंमिस्त्रुतेलेई स्नानयतीपासेगया तेसाधनंदीषेणनइकक
शवचनअनेकप्रकारनांकोल्याणनिनंदिषेणपोतानोजवांकदेषइएणिमनसाहिंकोधलिगार
मात्रनाणइ कइइस्वामीमाहरोअपराधएषमवो इमकहीतेहंतुंशरीरधोसुं पवइनंदिषेणकइइ
स्वामीपधारोउपासिरइ निमउषधप्रसुमइउल्लनेसमाधिकरीइ तिवारइतेदेवरुपीसाधकइइऊं
किमआवुं जेमाटइमइहीमाउंनवी तिवारइनंदिषेणइपोतानेधंधिंवइसारीउपासिरइलेईवालो २
तेदेवतानीमायाइनंदिषेणऊपरिमहाउगंधविष्टाकरइ एणिनंदिषेणवावनाचंदनकरीजाणइ
लिगारमावसूगनाणइ मनमाहिंजाणइएसाधनइकिमसमाधिकरसं किमएसाकसाजोशासो
इमअवलचित्तजाणीहर्षआणीदेवरुपप्रगटकरी अपवित्रपणुंसहरीकलहृष्टिकरीरवमावी
जेहवोइइइप्रसंयो तेहवोउंमहाप्रसुमपोतानोअलियहपालवासमर्धअलेदीवो इमकहीवां
हीस्तवीदेवतापोतानेस्नानकेगया नंदिषेणवेयावचनोअलियहपालतो बारहजारवरसतपकरीअं
तसमयनइविषइसंलेषणाकरीपोताउंदोलागीपणुंसंनारीनियाणुकसं जोतपउंफलऊइतोऊं

२५

कंस्यो पणिमहाऊसपमाकंमोदुं पेटतोलाबुं नाशिकावांकीशरीरइवामणो आंधिंधीपमो कानेहयो के
शयीला यगेधोमो आगलिबुं वलिवांदा एहवोकसुयधको मामानाधरनोकांमकाजकरतो योवनाव
स्वापोमो तिवारइलोकेतेहनेकलंसंस्त्रागी आपारकाधरनीमजरीकरइवे जाकिहोंकलिधनउ
एज्जिनइस्त्रीसुं पाणिग्रहण करिसुखसोगवि एहवां लोकनां वचनसां सलीजावामासुं तिवारइमामे
कलंसं स्नानइजाइबइ माहरइसातवेटीवे तेमाहिं एकजुजनेपरणावस्फं इमकहीधरेरायो तिमजधेव
रदिकनां कामकाजकरइ एकवारमामइपोतानीसातेवेटी अजुक्रमेनेदीषेणतेदेवामी तेकहेअस्लेष १
णघातकरसुं पणिनेदिषेणनइं नहिपरणुं तिवारइनेदिषेणपोताबुंदोलांगजांणी दुषवैराग्यआणीते
होंधीनीसस्यो फिरतोरनपुरनगरनेविषइंगयो तिलांधी स्त्रीलत्तारनइकी माकरतां देवी मनमाहिं दुष
आणी आतमघातकरवावनमाहिंगयो तिलां सुस्मितनामासाधमिल्या तिलां कलंसं सुं मामरीनेस्फं क
रीस काइं कधर्मकरि जिम आगलिसुषपामइ इमप्रतिबोधीतेहनेदीआदीधी मलनायां वसेयतीबुं दे
यावचकरबुं एहवो अलिग्रहलेई तिरंतरबद्ध पौरणुं करइ इमकेतलो एककालगयो एहवइइइइने
दिषेणनी प्रसंसाकीधी तेअसदहतां नदिषेणनी परिष्ठाकरवारनपुरनगरनइ विषइ आया एकदेव
तानगरबाहिरजातयतीबुं रुपकरीरलो बीजोदेवतायती रुपकरी नगरमाहइ जिहानेदीषेणसाध
बहनइ पारणे आहारकरवावइ वावे प्रथमकीली उमुहनामाहिं घालइ एतलेदेवरुपी साध आदीवे १
लो अरेलुं नापापी माहरो गुरु नगरबाहिर अती सारनेगेपी मो दुषयामेवे अनेबुं वैयावचीनामध

आवतइ लवइ स्त्रीवल्लभयायो इमनियालुं करी मरी सहसारदेवलोकेदेवतापणे अवतस्यो तिलांधीवः
वीसोरी पुरनगरनइं विषइ अंधक विलु राजा तेहनी सुलजानामिपहरणी तेहनासमुद्रविजयराजा
मुषदसवेता तेहनोदसमो लाई वसुदेवनामिंधयो निश्चंतधको नगरमाहिं फिरइ नियालुं कसाधकीअ
त्यंतरुपवंतरुपवंतसोलागी सुंदरसकोमलदेवी स्त्रीलोक रूपे मोहीधकी पोतानाधरनां कार्यविलसतां
वेधी वसुदेवबुं रुपजोवा आवे बलवारिणी स्त्रीउपणिकामनो अलिलाधरइ इमस्त्री उं बुं वाऊलपणुं
जाणी नगरलोकमिली राजासमुद्रविजयनइं कलंसं जेवसुदेवनेधरमाहिं रायो जेमाटे एहना रूपनीया
मोहीधकी अमारी स्त्रीउरही सकतीनधी तिवारइ राजा वसुदेवने समजावी मोहलमाहिं राधी कलास्या
सकरवामेनायो एहवे एकवार उं नालानइ विषइ शिवादेवी राणी इबावनाचंदनघसी सोनाबुकवोलेल
री राजासमुद्रविजयनेविलेपनसारुदासी हाधेमो कलुं वाटिजातां वसुदेवकें हीपोतानइ शरीरइं वोपइं
तिवारइ दासी बोली एहवो उं बां वलोवइ तो जवंदी घाणे राणोवे एवेतेवतिकरजांणी पाबिली रात्रिनगरनी
पोलिं आवी कोई कसुं उं मरुं पो लिवाली एहबुं लणुं जेवसुदेवइं हां काष्टलक्षण करी बली मूउवे हवइस
ऊनगरनालोक सुधेवसयो इमलिधी नगरबाहिरनी सस्यो प्रतातिं राजानेववरधई असाताणामी पवइ
जोक निवर्तावीरला हवइ वसुदेवपृथ्वीमाहिं फिरतो नवनवावेधनवनवारुपकरतो हजारेगमेवि
द्याधरती कमरी हजारेगमेराजानी कमरी परणतो एकसोवी सवरसलगे फिरि बेऊनरहजारपेस्त्री सुं पा
णी ग्रहण करी यादवसुं सुध करी पोताबुं रुपप्रगट करी राजासमुद्रविजयनेपगेलागो पोताना स्वजनव
रनिइमिल्यो एवेदेवकराज गीवेटी देवकी परणो तेहनो पुत्रकलवा सुदेववयो तेहना सुत्रसामप्रथम

रअ
लए

यथा इमं हरीं वंश नोपिता वमाउतं यो ते वसुदेवनाया बिला लवउतं पत्रं जफलजाणं इति वसु १७

विद्याधरी हिं क विद्याधरी ए नरिंदक राजा ते हनी डहि आहिं क बेठी जंफ जे पविजई क प्राण वसुदेवो क वसुदेवने तं क
 विद्याधरी नीबुत्री एस हरि सं ए अहम हं ती हिं क मा लो मा हिं स र्वा क धिवा विं ए परणी इतो वा ते वसुदेवने त वसु क तप
 क हर्ष सहित मनने वज्रा स रती जो इण इ वसुदेवने वसुतो जो पणिव रुप हं त इ आ क तदा पाबिला लव नो ते हं फल
 कालि फलजाणं

विद्याहरि हिं स हरि सं नरिंद डहि आ हिं स म हं ती हिं जं प विज इ त इ आ वसुदेवो ते त वसु फलं

सपरक म क य रा क म सूर प पुं ते सहित सी से क मा घा ने वि वे प लि वि गय सु क मा ले ए क गज तला क ते ह वी क या क की धी
 राउले वा इ एण क राज वा लो क्त म हा एक वती त इ व क इ नि अ ए सु क मा ल क वि अ र इ य ज ह क जे वि मा क स्या व की शि
 राजा ना साई लणी ला नि को बे ए ह व इ क पो ता न इ मा क ज मा को धर हित म वे क मो द प ति य त्रो क उ ह तो
 वत इ पु

५४ सपरक म राउल वा इ एण सी स प लि वि ए नि य ए गय सु क मा ले ए ष मा तदा क या ज ह शि वं य त्रो ५५

ह व इ जो रा व र क ल नो क प ना प णि सं य म ली ध इ उ प सर्ग ष म इ ते उ परि ग ज सु क मा ल नो ह णं त दे षा म इ वे
 स परि प इ हां क या जा ण वी क्षा रि का न ग री न इ वि ष इ रु ल म हा रा जा रा ज्य क र इ वे ते ह ने मा ता दे व की रा णी २६
 ते ह त इ ध रे एक वा र त्रिं सं घा मे बे ज ण सा क स री ष इ रु प इ वो ह र वा आ वा ते ह ने सिं ह के स रा मो दि क
 वो ह रा वा वी जी वा र १ ज ती जो म ले आ वा ति वा र इ दे व की रा णी इं स वं क हो मा उं ता व आ व मी क्षा रि
 का न ग री वे ति हां आ हा र न मि ल्यो किं वा तु ले ल ला घ का वी जी वा र मा ह र इ ध रे आ वा ति वा रे सा क क ह
 दे व की रा णी आ ले व ता इ व ड ते पा र ण इं जू दा १ उ ला रे ध रे आ वा उं सरि वा रु प मा ट इं उ ल ते सं दे ह उ प नो

वे ति वा र इ दे व की इं वी त सं सु क न इ म हि लां अ हि म व इं सा क इ क लं ह उं ता ह र इं आ व पु त्र हं स्ये ते मा दे ह
 व रा जे मा ह रो पु त्र न लो इ ए ह वो सं दे ह क य नो प व ड वी जा दि व स न इ वि ष इ श्री ने मि ना व न इं वा दी स वं क
 हो स ग व न का लि मा ह र इ ध रे व सा क व ड १ न इ जो म ल इं वो ह र वा आ वा ते दे वी सु क ने स्ते ह क य नो ते सं ति
 वा र इ श्री ने मि ना व क ह दे दे व की रा णी ए उ ला रा व ए पु त्र कं स रा जा ना ल य ध की दे व ता इं ल हि ल पु र न ग र ने
 वि ष इ ना ग आ व क ते ह नी सु ल सा स्त्री ते ह ने ध रे व क्ता ति हां वा ध्या अ ला री दे श ना सां ल ली प्र ति बो ध यो मी
 व वी स र स्त्री वा मी मा ह र इ या स इ दी क्षा ली धी व ड नो त प क र ता व ड न इ पा र ण इ उ ला र इ ध रे १ व ड ज ण वो ह र
 वा आ वा पु त्र ना सं वं ध मा टि उ ल न इं सं दे ह क य नो ए ह उं श्री ने मि ना व उं व व न सां ल ली दे व की रा णी म न म १
 हिं ध णो प श्या त्ता प क र वा मा म्यो ध न्य ते स्त्री जे वि क सि त सु ख सु को म ल क र वा र ण पो ता ना पु त्र न इ ध व रा व ड
 ऊ ल रा व ड उं स ग इ व ड मा र इ ऊं अ ध न्य अ ला गि णी जे मा ट इ प क इ पु त्र ध वा स्यो न ही र मा म्यो त ही उं स गे
 व ड सा स्यो न ही ए ह उं म न मा हिं डुर क आ णी विं ता व र ध इं ह मि का इ ह डि वे ड बे ठी व की क ल जी इ दी वी विं ता नी वा
 त पू वी ति वा र इ स र्व वा त दे व की रा णी इं क ल जी आ ग लि क ही ए व ड मा ता ना म नो र ष पू र वा मा टि आ ह नो त प
 करी ह रि णे ग मे धी दे व आ रा ध्यो ति थो क लं पु त्र वा स्य इ प णि ध णो का ल ध रे न ही र ह इ ते दे व की रा णी इं मा न्युं
 प व ड ग र्ग ध स्यो प व ड सु प न मा हिं ग ज दी वो पु त्र नो प स व ध यो ति वा रे ग य सु क मा ल ना म दी कं अ उ क से मो
 ठो ध यो ति वा र इं सो मि ल बा ल ण ती बे टी स प वं त जा णी ए र णा वी प व ड श्री ने मि ना व ती दे श ना सां ल ली सं सा
 १ अ सा र जा णी दी क्षा ले इं क्षा रि का न ग री ना उ म शान न इ वि ष इं का उ स ग क री र ह्या वे ए ह व ड सो मि ल बा
 ल ण पो ता नो सु स रो ते णो दी वो ए पा पी इ मा ह री बे ठी ए र णी न इं सु की वे ते मा टि दे ष ना ग्यो मा घा उ प रि मा टी

नीपालबांधि धगरधगताययरनाअंगारामाहिससा माघइंवलतइंगजसुकमालेविमाअंगणी सुकथान
धातो अंतगमकेवलीधईमोक्षिपुहो बीजादिवसनेविषइं श्रीनेमिनाधनेवांदवाकसमहाराजाआया
लगवंतनेइं वं गजसुकमालकिहोवे ऊंवांइंतिवारइलगवंतइंकलं तिणेतेहंकार्यसाधकं सधलोह
नांतकलो अलमहाराजाकहेएडःकर्मऊंलेकीकं तिवारेलगवंतइंकलं उलनेदेवीजेहंमस्तकः
कटस्पइंतेजाणवो एवेनगरमाहिआवतां सोमिलसामोआवेवे लसकरीनासतांमस्तककटुमरीसातम २
नरगेगयो रुविहत्याकस्याधकीइमबीजेपणिधिमकरवी एगजसुकमालनीकवा एएकवाधरीधई

रायकुलेसुविक मोटाराजा	लीयाक बीहनास्याधकीजरक जरा	साकक साधयती सहंति	नीयाणविक नीवगमारलो
नाऊलातहनेविषे जायाक	मरणक मरवो गजक मातानाउद	क सहइ अहिआसे	कनाकस्याधणिउपसय्येस
जनम्याकपनाइपणि ॥ ॥	रनेविषेवसहीणक वसवुरहेवुं	सवुक सधलाइ	येसाणक चाकरनावाकर
	महीनाताइउंमधेतेवकी		तेहनाकस्याउपसय्येपणिधमे

रायकुलसुविजाया लीयाजरमरणगजवसहीण साकससंति सवु नीयाणविपेसयेसाण ५६

२७

पणमंतियक पण	कुलयाक कुलवंतललाकुलनाजेकुलीन	एणउंक नमोऊलीनलणीपुवें	जहक जिमवक वदि
मइवांइं पुवयर	ऊइतेननमंतिक ननमइनवांइंअकुल	क पहिलाजइइंक इलाआजग	पुणीक नकवर्तिसा
क पहिलुजकुणन	याक मावाकुलनाउपनाअकुलीनऊइ	नेविषइंजइणसक यतीजन	कबवंतुराजवोमी
मइ ॥	तेपुरिसाक पुरुष	नेएकदिननादिहिवसामान्यसा	दयालीधीतिणेअलि
		धतइ	माननाणो ५७

पणमंतियपुवयर कुलयातनमंतिअकुलयापुरिसा एणउंउविंइइजइणस जहवकवदिपुणी ५७

जहजिमवकवदिसा	सामाइयक सामान्यललनेतेहजा	लणितक कहितसीधवो	पणउं प्रणमकरवोवांइंउवइने
ऊंक चक्रवर्तिसाध	दहाकोनइंविषेसाऊणक साधय	जेणुणवंतयतीनेवांइंइम	तोवऊअत्रण घणाज्ञानदर्शन
सरलपणेमहेउंअणवो	तीनेनिरुवयारक निरुपचारनि	कहिइऊंतेन नहीवेव	कारिचनायुणेकबीपुणतेहनेवे
इतेऊंते	हुरउंकारइकरी	नम्यऊंविउ कोणोनहो	एहउंजाणीनकोणोएताव

जहवकवहीसाक सामाइयसाऊणानिरुवयारं लणितनवेवकविउ पणउंवऊअत्रणयुणेण

तेधनाक तेधनतेपुनवं	नमोक नमस्कारहोयोजेअक जेअक	धीराक धीरसाहसीक	वरंतिक आवरइपालेजहक जि
नतेसाक उत्रमतेसिक ते	अक अकार्यधीपापकनयधीपनिविर	वय मोउंउतमसिद्वारं	मधालसइपणी सुतिसइसीधरे
हने	याक विरम्यानिवही	धनधारऊंपरिवालवुंते	आवरइतिमआवरइतधन्य ॥
		सरिउ	

५८ तेधनातसाक तेसिनमोजअकऊंयनिविरया धीरावयमसिद्वारं वरंतिजहकलिलइपुणी ५८

॥हवइंधन्यतेजेधीरमइंपोताउंवोऊंउतराधइ तेऊपरिश्रीकलिलइनोहंतांतेधामइवे तेधनाः ५९
अवकषा यामलीपुरनगरनेविषइं नदराजाराज्यकरइवइ तेहनइंशकमालनामिनागरखालणमंतीसरवे
तेहनेलावलदेनामिस्वीवइ तेहनेपुत्रइवमोहलिलइवीजोसिरीउ जरकापुषुषउवेटीवइ हवइकलिलइयै ।
वनावस्वानइंविषइं नगरमाहिंकीमाकरे विनोदकरेतांपोतानेमिबेसहीतवामीजोवागयोवे वामीजोइंया
वांआवतां वेवपाताघरआगलिनीकल्या वेवपातेश्रीधलिलइउंरूपलावणकलावउराइंवयविनोदवि
वज्ञाणपणुंदेवीव्यामोहयामीमतमाहिंजाणुंजोएपुरुषसुं लोगनीसामग्रीमिलइतो एहजमवारोसफलवा
इ अनेबीजापुरुषनेस्वप्नमाहिंपणनवाहं जोपरमेसरपरेहावेपुजाहस्येतोएपुरुषनोसंयोगमिलस्ये इ
मवीतवीश्रीधलिलइनइवोलाया धमीएकवातकरीवेवपाइंवाउर्यगुणेकरीधलिलइउंमनरीऊंअउ
ऊंअपुणकीकं पवेधलिलइवेवपातइधरेरही पिताजेनोइंतेधनमोकले इमवारवरसवेवपासुंघरवासरलो

शरसवनोदगलोकरी तेऊपरिस्तेषुकी तेऊपरिस्तेषुकी तेऊपरिनालिदइनावी तेदधीरधकारक
हइएकलाकरवीडः करतिवारेकोत्रपाकहइअरेरधकारकउलेबाणेकरीआवाणीलेबआणी तेडः
करनही अनइऊं सरावकपरिनावीतेपणिडः करनही डः करकरणीतेजेवारवरसमुकतिलोगवी
तेबांमी वलीतिहंआवीचोमासुरलोपणि वालाग्रनघोस्यो अनइवलीफलनाफलना महीलाना मा
दगनास्वादजाणीविरम्योतेश्रीस्त्वलितइसकमालमेत्रीलाबलदेनोपुत्र डः करकारककहीइ वांडंऊं
तेहनेत्रिकालत्रिविधइकररीश्रीस्त्वलितइति इत्यादिकववनेरधकारप्रतिबोधपाम्योवको श्रीहलित
लइपासिंआवीदीक्षालीधी हवइश्रीस्त्वलितइपणिअनुकमिंदसपूर्विअधिचारधवस्वइलणी घ
णाजीवनेप्रतिबोधपमामी स्वर्गनइविषइपभास्या एश्रीहलितइगुरुनीआज्ञाइंगयाजसवादपाम्यो
चोरसीचोवीसीताइनामराण्यु इमवीजोइपणिजेगुरुनीआज्ञापालइतोतेजसवादपामे श्रीध-क-१८

विसयाक-विषयाश्रद्धादिक
तेरुपीयाऽसिपंजरक-धमरा
नापांजरातेसरीपांस्त्रीलोकते
हवीविहतामिवक-इमयाजिम

लोएक-लोकमाहिंअसिक-पऊनां
पंजरंमिक-पांजरांतिरकंमिक-नी
घांतेहनेविषे

सीहावक-सीहनीपरि
जिमतेसीहपंजरगया-
काहनापांजरामाहिंघा
त्याधकावसेतिम

वसंतिक-वसइरहइतवक-तपरु
पीआपंजरक-पांजरातेविषइसा
ऊक-साधुसनेआदेशइइ

॥तीयासुलत
धमगपांजरा
वीहताका
पांजरासाह
हवसेतिम
विषयसुपी
धमगपांजरा
घांस्त्रीलोक
हतातपरुपी
पांजरासाहिं
एनावगुरु
हालेइनेश्री
लइनेहतात

विसयासियपंजरंमिव लोएअसिपंजरंमितिरकंमि सीहावपंजरगया वसंतितवपंजरेसाऊ ६०

॥हवेजेगुरुनीआज्ञाववतमार्तइगुरुनोवासोजाइं तेपठेशोवनाकरे तेउपरिंसीहगुफावासीसाध-
शाना

जोक-जेऊणइक-करइअ
प्यमाणक-अप्रमाणसुअ
प्रमाणकरइ

गुरुक-गुरुतेवयणंक-वचननयल
एईक-नलीइनपमिवजइसुं उवएसं
क-उपादशआज्ञा

सोक-तेपछाक-पढइंत
हक-तिमसोअइक-शो
वइषेदपांमइ

उवकोशक-वेण्यातेहनाघरेक-घरने
विषेगुरुनोवासोयोग्योऊंतोऊक-जिम
तवस्त्रीक-तपस्वीसीहगुफावासीइसो

वितंतिम
कवा ६१

जोकणइअप्रमाणं गुरुवयणंनयलएइउवएसं सोपछातहसोअइ उवकोसधारजहतवस्त्री ६१

॥एकवारणामलीपुरनगरइनेविषइ श्रीसंस्तुतिविजयआचार्यनाशिष्य सीहगुफावासीसाध श्रीहलित
इऊपरिमसरधसोहतोते बीजाचोमासातइविषइकोत्रपाणीबहिन उपकोत्रपानेधरेचोमासुरइवानी
आज्ञामागी गुरेअजोगपताजाणीनाकही महाउसावडलोतिहंगयां वारित्रनहीपालीसको तोहइपणि
तेगुरुनोवासोवकोतिहंगयो तिहाजइचोमासुरइवानीयाचनाकीधी ऊंइहोचोमासुरहीस मुऊनिं
रहिवावांमआपोतिवारइउपकोत्रपाइंवामआण्यो पढइजाण्युए श्रीहलितइउपरिमसरधरीआयोवे तो
देमाइएहनेश्रीहलितइनागुणनीअदेमाईकस्याउंफल इमवीतवीरात्रिपोताउंशरीरशिणगारी नयले
कालसारी देवीहकेवलवारी नयणबाणतीपांमंकती घघरीघमकावती बेपगेनेउरवमकावती स्तनउ
दरदेवामती कोमलकरकटीवालती सुधमकटेहसावती पांतबीमांवावती मीवेवचनेबोलावती इंडवंड
नागेइधीरयोधारतेहनांविंलावती पांवबाणेकरीकंदर्पजगावती इत्यादिकस्त्रीनेवाचुर्यगुणेकरी तेथेफ
वासीसाधउंवित्रवलासुं तिवारेतीणेसाधइलोगतीधार्धनाकीधी तिहोरितेउपकोत्रपाबोली अलेवित्रणा
निर्धनउरुधनिंआदरुंनही तेमाटइधनलायो पठेजेवलेकहिस्पोतेसांलसुं तिवारेधननेअधिंविचार
वामासुं जेउन्नरदिशिनइविषेअलगोपंघइ नेपालदेशनेविषे अपूर्वसाधजाइबइ तेहनेतेराजालइमूल्य
हेरन्नकंबलआयेवे तेमाटेतिहाजइतेरन्नकंबलआणीएहनेआयी एहउंमनराजीकरी पठेमाहरामननी

वदल्लिक बावनाचदन
 इकरीनइ बाऊक बाह
 लुजातेवतइ
 वासिणाविक कोइक
 वासलइपणि तेबेइक तेबाह
 वेदइतावइ
 आवमिइक कोइकसवइ
 ताकरेजोअक जेव
 लाकोएक निदइक निदे
 माहुबोलइ
 मरुक मोटा
 तहनइसकवपरि तबक तिला सम
 लावाक सरीषोलावलोइशबुअनइ
 मित्रकपरि ए२

जोवेदणेण बाऊ अलिंपई वासणावितचेवि संकणइजाअनिंदइ महरिसिणोतचसमसादा ए२

सीहगिरिक सीहगिरीआ लहेक मंगलीकले गुरुक पोताना वयरोक वज्रवेलोउलनिंकिर नविकोविअक जूहुनपासुतेव
 वायंतहना सुसीसाणक गुरुवेवयणक वचनसहताण क निअयदाहीक देखेवायण यणक वचनगुरुवेनेपतलिपदे
 तलाजेशिष्यतेहोति क सावइताविसइइइइतानि वाचनासिंशतनीएहवेकसाजतां लोसुंवाचनादेसइएहवेविवासु

सीहगिरिसुसीसाण लहेगुरुवयणसदहताण वयरोकिरदाहीवायणति नविकोविअवयण ए३

॥ पहिलांक ह्याजे श्रीवयरस्वामी तेवालकमणइपालणामाहिंसूतां साधीनासुरवधीसांसल्यांजेअणारअ
 गतेपदाउसारेणीलशिंआवम्यांवे पवेआववरसनाधयापवीदीक्षालीधी गुरुपासिंसाकंलेलारहइ एकव
 रतेधिविरवयरकुमारनिंअपासिरेकुंकी लोलावीसाकसर्वगोवरीइंगयावे अनेसीहगिरीआचार्यपणि
 स्त्रिमिलस्त्रमिकाइंगयावे तिवारेवयरअमरसर्वयतीनीउपधिलेलीकरी तेहनइविषइयतीनीस्वायनाक
 रीपोतइवइसणुंमामीबइवोकहे लणोसकनिंलणालुं इमकहीकोएकनिंआचारंगतीवाचनाइइ को
 इकनिंवाणांगतीवाचनाइइ इमअणारेअंगतीवाचनादेवामामी मोटेसादिकरीनइ एहवेश्रीसीहगिरीअ
 र्चायस्त्रिमिलधीआवा अलगाधकीसबदसांसलीधीतसुं सुं आजयतीवहिलाजवोहरीआवादीसइवे
 इमकहीअपासिरानेवारणेआवीसांसलीहेरीजोसुं देषइतोसर्वयतीनीउपधिलेलीकरीलणावइवइ उ

पांचमोलोकपालनामधरावी एहवीन्यायधर्मपर्वत्रावइवइ जेसाकनइउषदाई ताहरोउवअनेपुरोहित
 नोउव तेहनौउंसीषामणनद्ये तिवारेसुनिवइराजाकहेस्वामीमाहरोअपराधधमयो एणिजेहउंकीकं
 तेहवीसीषयाम्पा हवइपितानेवामिंको कृपाकरीदयाआणीएहनेसाजोकरो जेमाटेएहवोकोईनधी जे
 उल्लविनाएहनांहामिकांकोणवामिंआणे इमकहीतेइजणसाकपासेआण्णा साककहइवेजीववानी
 आसाहोइतोदिक्षालेवे जिमसाजाकसं तिवारेदीक्षालेवीकहली साकइसमाधिकरीदीक्षादीधी वारिइष
 रुंपाले पणिपुरोहितउववाएणमाहिं लगारेकजातिनोमदकरइ तिणेकरीनीचैगोत्रकर्मबांधं अउक
 मेवारिउपालीवइजणदेवताधया माहोमाहिंएहवोसंकेतकीधो जेआगलिववीमउषयाइ तेहनेवीजोप्रति
 बोधदिइ प्रथमपुरोहितनोजीवववी राजगृहीनगरीनेविषे मेहरनामिंचांमालतेहनीमेतीनामंस्त्री तेहनीक
 षइजातिमदकस्यामाटइअवतस्यो तेमेतीनगरमाहिंएकसेवनेधरेवुंहरं विणजेबें तेसेवनीसंघातेमेतीनेगो
 वीपणांघयां सेठाणीनेबोरूजीवतांनधी तेवातमेतीआगलिकहीबइ मेतीनेउवनोपसवधयो तेजातमा
 उसेवांणीनेआणो सवीपणामाटेसेठाणीइधुवीधसवी तेजातमावपोतइराषी तेवातसेवनजाणे सेवइउवज
 न्ततोउअवकीधो मेतार्यनामदीकं अउकमिसोलवरसतोधयो तिवारेमित्रदेवताआवीअकव्यो संकेतक
 स्यामाटइ पणिप्रतिबोधनयामें पवेआवव्यवहारीयातीदेटीस्त्रंविवाहमेल्पो तेपरणवासाकवरधोमेवचोवे
 तिवारेतेमित्रदेवताआवी मेतीचंमालीउंशरीरअधिष्ठं तेलोकदेमतांबोली एमाहरोउववे एहनेउलारीदे
 टीकापरणावोवो एहनेअमेपरणावीसुं इमकहीवलगीनेलेइगई पोतानइधरेपवेवलीतेमीउदेवताधग
 बोल्पो कांमाहसंकसंतकीकं तोकेहवोफजेतकीधो तेमाटेहवइप्रतिबोधयामीलइदीक्षा तिवारेमेत

र्यबोल्पो ऊंदीझाकिमलेउं तेमाहेतेसुकनेचमालकस्यो लोकमाहिंहीनतापाम्यो हवेजोसुकनेउंमोटडम
 हवचमावड फिरीतेववहारीउतेपुत्रपणइयापे अनइराजाश्रेणिकनीबेटीपरणावडतोऊंदीझालेउं ए
 हवुककंकभकांतेवातदेवताइयमिदजी पढेतेवांमालनइधरेएकबोकमो लीमीनइवामिरनकरतोदेव
 ताइबांधोतेधरनघालनरीत्रिणदिनलगइ राजाश्रेणिकनइलेटकीधी तिवारेअसयऊमारइतेहइस
 बंताहरेएवमारनकिहंधी तिवारेतेकहेमाहरेएकबोकमोते तेलीमीनेवामिरनकरेतेतेवालनरीनइ
 लेटकसंहुं वलीअसयऊमारइस बं उलेटपुंस्यामाटेकरेते तिवारेतेकहइ राजानीबेटीमाहगवेटानेपर
 णावो राजाकहेएवातकिमऊइपढेतेबोकमोआणीराजानेधरेबांधो तिवारेमहाडुगंधविष्टाकरवालागो
 तिवारेअसयऊमारकहेमहाराजाएकोईकदियाउलावदीसेते नहीतरवमालप्रकोउलारीबेटीकिममा
 गइ तेमाटेएहउंमारउंकीजे जेकाममउषधकीनघाइं तेकांमसलावीइं इमविचारकरीतेहतेककं जोताह
 रइराजानीबेटीताहगवेटासुंपाणिग्रहणकरहुंहोइंतोराजगृहनगरवोपधेर सेनातोगतकरावो अनेवैला
 रगिरिपर्वतनीपाजवंक्षवो तिलंगंगाजमुनांसरस्वती अनइंधीरससुइअणावो तेपांछीइंताहरोपुत्रताहइ
 तोराजाश्रेणिकनीबेटीपरणावीइं एहउंअसयऊमारकहिउं तिवारेतेसर्वदेवतानेपलावइषिणएकमा
 हंधसुं पढेतिलानवरावीएवित्रकरीराजानीबेटीपरणावी पढेतेआवमवहारीयानीआवेबेटीपरणावी
 अप्तवस्त्रीतुंपाणिग्रहणकीकं तिवारेवलीदेवताबोल्पो हवइलइंदीझा तिवारेमेतार्थकहइ मित्रऊंह
 वणाजकारणोहुं तेमाटेबारवरसलगेसुकनेएत वस्त्रीसंघाते विषयसुषलोगवीपढेदीझालेइंस देवताइ
 मासुं वलीबारवरसनइअंतइदेवताआवोतिवारेबारवरसस्त्रीएमागीलीक्षइमवोवीसवरससुषलोगवी देव

धग

पो एहवेगणचंडनइ बालचंडश्वेत्ताइउरमाईआवीआगलिकसारखां राजीइतेंपुं माहगतातासाईस्त्र
 आबइ तोऊंकिमयाउं इमजाणीतेसाईनइं अर्द्धोअर्द्धविंदवीआपो तिणेबांधो एतलेविषयरिगसुं तेदेवीर
 जाग्रुंदलगीरवयो पढेमणिमंत्रादिकइकरीविषवाल्स राजानेकोधवम्यो धरेआवीउरमातमातानेककं
 फिटरेपापिणीहत्यारीडरावारिणीऊंताहगपुत्रने पहिलाराज्यआपीदीझालेतोह तो तिवारेतइंताकही अ
 नइहवेएहउंअकार्यकसं इमकहीगुणचंडनेराज्यआपी सागरचंडराजाइदीझालीधी द्वादशांगीराणा
 उलारोसाईसुनिचंडराजातेह तोपुत्रअनेपरोहितनोपुत्रए२मित्रजेसाधजाइते तेहनेसंतापेते नवावेचंड
 महाकष्टयमामइंते तेसांललीगुरुनीआजामागी तेहनेप्रतिबोधवासागरचंडसाधकजेणीनइविषइंगयां
 जिहाराजानोपुत्रअनेपुरोहितनोपुत्रहवइ तिलंआवीधर्मलालदीधो तेसांललीतेहर्षपाम्या आजधर्मला
 लआयोते तेहनेनवावीइ इमकहीहंधेकालीमेमीकपरितिमीगया आमोकमामदेइकहेउंताधि नहिर
 उरनेकटसुं तिवारेसागरचंडकहे जोउलेवाजिववजामोतोऊं तेकहेवाजिवतोवजामतानावइतिवारेसाध
 कहे तोसुकनेनाचतापणिनावइ तेकहेतोऊंस्तीइंलमो साधइककंवारु पढइऊंस्तीलमतोसागरचंडसाध
 कलेकरीतेहतागरीरनांमकांसंधिवकीकतारीजूदोकस्यो कमामकवामी पोतानोपमघोउपगरणलेइ
 रवो प्रबुधसंघसुं लोकेककं एकयतीआवोह तो तेकाइंककरीगयोते पढेराजाइषवरि गंधीवामि
 माहिसाधपासंगयो देषेतोपोतानोवमोसाईवितयपर्वकवादीलाजतोबोल्पो स्वामीउलोसाकमाउलावमे
 १८मुतिसर उलनेपरनेपीमाकरवीनघटे तेसांललीसागरचंडसाधककहेते उंचावतंशकराजानोबेहोवई

३ए

पणि एतलेतकाले वमान किमयामिते ते कुरुषु
जीवो क जीव पवजाक दीक्षावीतरागदेवनीते प्रतेमु
वागउक मविबजोषको अननमणो
क एकाग्रमणे निश्चलचित्तकोपातेतो

जइविक जोइयणिसंघयणका
लादिक योग अणवते नपावई
नयामइ नजाइ सुकंक मोक्ष
प्रतइ

अवस्सक अवस्सक
निश्चयवे माणिउक वे
माणिक देवता होइक
होइवाइ

धर्मने कारणि
सीसावे देणक
आलाचावमा
उवाधनेहुउ

वसंपिजीवो पवजा सुवागउ अन्नमणो जइविनपावइ सुकं अवस्सादिमाणिउ होइ एण सीसावे

एमाहात्मा एसरीरवासीयाडे तेउपरेवलीहृष्टांतकहइडे
वीटुंतिणे करीने सिरमि निगायाणि नीकलीवाय
मस्तकने विवेपणि वेडिए सुकाते अचीणीक बइआ
वीटवाधेजंतइ विकेहनी

मेयजस्सक मेयजस्स नयक नहीसोक तेसाधमणसाविक
मेतार्यएहवेनामे लग मनमाहि लिगारमात्रयणि मरिक्कवि
वउक लगदंतसाधने उक कोणो नही तेसो नारउपरि
हनी

नयक नहीसोक तेसाधमणसाविक
मनमाहि लिगारमात्रयणि मरिक्कवि
उक कोणो नही तेसो नारउपरि

नयक नहीसोक तेसाधमणसाविक
मनमाहि लिगारमात्रयणि मरिक्कवि
उक कोणो नही तेसो नारउपरि

देणसिरंमिदडिए निगायाणि अचीणि मयजस्सलगवउ नयसोमणसाविपरिकविउ एण अत्रक

वलीमेतार्यसाधनोहृष्टांतदेवामेवे सीसा ६ एण मेतार्यनोयाविलोसवदेवामेवे साकेतनपुरपाटणनेविषे
वेडावतंशकराजानोवेतोसागरवंदराजाराज्यकरेवइ तेहूनोलऊमोताई सुनिवंपकजेणीउराज्यकरइडे
बीजाउरमाइसाई प्रियदर्शनाराणीनावेता गुणवंद अनेवालवंदइ एकवारसागरवंदराजाउरमानता
इमातातइमगेलागीकलंक माताजीबुलारी आताऊइनोवमारोषुत्रगुणवंदऊमरनेराज्यआपीऊंदिक्षावे
उंतिवारइतेकहे पुत्रवऊतेइमजघटे पणियुणवंदनातोवे राज्यनारनहीसहीसकइ तेमाटेमोटावाइति
वारेआपीराज्यदीक्षालेयो तेवचनमातीलूषेमनेराज्यपाले अत्रकमेऊंदिजसेवधो तेदेवीउरमानमाइ अ
देवाइकरवामाही एकवारसागरवंदराजाघोमारमाहवागयोवे तिवारेउरमानमाताइ विषविश्रमोदिकक
रीदासीहावेसीरामणीसारूमोकल्या राजाघोमारमाही वृक्षनीवायाइवइतोवे तिलादासीआवीमोदिकअ

सणसात्रधकी तिवारेगुमेंजानेकरीजोखु एहूनो अर्धइमजसरस्ये एहूंचुजाणीरावेवेषआण्यो तेवेषपेहेर १
नगरनास्मज्ञानमाहिकंधेरउंवनवे तिलांकाउसगकरीरलो वाटेजातांकांटेकाकरेकरी अलुहाणेपगेसु
ऊमालतलीमामाटिलोही नीकलुं तेहनीगंधेयाविलावती अपमातीस्त्रीमरीनइसीयालणीघइवे तेघण १
वचमांसहितिलांवावाआवी तिणेपगधीमामी सर्वशरीरषाकं पणिलिगारमावचित्तवलासुनहिअवलवे
तवकोमहावेदनाअहिवासी कालकरीनलिनीगुलविमाननेविषेअवतस्यो प्रतातिनजामाताइइकं ६
स्वामीमाहरोषुत्रउलपासेआयोहूतो तेकिलांगयो गुरुकरइ तेजिलांघीआयोतिलांगयो सर्ववातकही
तेसांतलीनजामातास्त्री सर्वविराग्ययांमीदिक्षालीधी एकस्त्रीसाधानहती तेघरेरही तिणिंषुत्रप्रसवो
तिणेतेस्मज्ञाननइविषइमहाकालनामइंघासादकसव्यो प्रतिमायापीस्मज्ञानउंताममहाकालदीकं ५
मधर्मनइकारणेसाधपोताउंशरीरवांमइं एअवंतिखुकमालनीकथा ए२धमीकथाधरीधई

इमअनेराइमहासाधर्मनइंविषइंकारणइशरीरवांमइं एवातकहेवे
उद्धटक वांनुनिमोघ अन्नोक बीजोजीवोक जीवअने
पणेसरीरक कायारु शरीरक शरीरअनेतिक बीहुं
पीउंघराक धरकिम एतलेशरीरनेजीवनेएकलवतो
संबंधवे एहूंचुजाणीने

धम्मस्सक धर्मनइंकारणेक
कारणइ सुविहियाक सुवि
हितललावइते

सरीरंपिक कायापणि
वृक्तिक वांमइअवं
तिखुकमालनीपरइ

एगदिवसं
पिक एक
दिवसनी

उद्धटसरीरयरा अन्नोजीवोसरीरमन्नंति धम्मस्सकारणे सुविहिया सरीरंपिच्छंमंति एण एगदि

ज्ञानपामीमोक्षेनास्ते इमज्ञानसहीततयकरेनेषणाफलनेषां पलाव एगालिसदनीकवाधर् ३३ कवाध

डकरक दोहिलंबीज	अवंतीसुकुमालक	अवंतीसुकुमालएहवे	अप्पाविक पोतानोआत्मापणि	अचेरयंक मोहुआश्वर्य
इनहीइसुसोसकरक	नामेमहरिसीक	मोटोऊमीअरतेहववरि	नामक कोमलामंत्रणे तहक वि	ययंकहिताए ८८
सोललताअउठकोमिरो	यंक वरिव किमते		मतअइतिक तज्योउमवाननेवि	

अतणी

डकरमुक्षोसकरं अवंतिसुकुमालमहरिसीवरियं अप्पावितामतहतअइति अचेरयंकयं ८८

जिमश्रीगालिसइं धर्मनइंअर्थिमोताउंशरीरशोषसुं तिमकेतलाएकसाधधर्मनइंअर्थइं योतानोआत्मा
पणिबामइं तेउपरिअवंतिसुकुमालनोदृष्टोतदेवामेवे डकरः ८८ अत्रकवा ऊजेणीनगरीनइंविषइं ल
ज्ञानामिसार्धवाहनी तेहतोअवंतिसुकुमालनामिं पुत्रतलनीगुल्मविमानबीववीअवतस्योवे तेयोवना
वस्त्रामाम्यो तिवारेमाइंवनीसस्त्रीउंयाणीग्रहणकरासुं तेसाधेविषयसुषसोगवइंवे एहवेएकवारतेहने
घरेआर्यसुहस्वितआचार्यआवीउतस्यावेरात्रिपोरसीमाहिं नलनीगुल्मविमानउंअध्ययनगणेवे तेअ
वंतीसुकुमाले आवासिउंवावेवांसोलसुं इहापोहकरतांजातिस्मरणउपउं पाबिलोलवदीवो देवतासंबंध
यासुषसोलसुं वलितिलोजावाउजमालघयो आवासवीहेतोउतस्यो आचार्यपासेआवीवादीविनयस
र्वकइं कलोतगवंतउलेतलिनीगुल्मविमानउंस्वरुपकिमदीउं तिवारइंगुरुकहइं अलेसिधातरु
यिणीआंधिदीउं हवेअवंतिसुकुमालकहइं कलोस्वामीएविमानकिमपामीइं आचार्यकहइं चारित्रले
ईअणसणकस्यापामीइं तिवारेअवंतिसुकुमालकहइं उलारीआज्ञाधकीमइंयमवसुं चारित्रनेअण

नाराजाधोमारनामा ८

इकाजलधनावलीवाविमाहपमी राजाउंमनदलगीरजांणी लज्ञानिकहिणइंदासीइंकलइंकरीयाणीस
र्वकाइं तिवारिमाहिंताताधकारनारत्रजमितदिमआसरणवे तेआगलिंसोतानीमुद्रिकाकालीलीह
लासरवीदीसवालागी राजाइंइविउंकोहतांआसरणवे तिआगविारिदासीकहइं एगालिसदनीस्त्री
नोनिर्माल्यआसरणवे तेसांसलीराजाकहइं एअउलउणनोधणी जेहनेदेवतापणिकिंकरघयारहेवे
पवेसोजनकरावीवस्त्रादिकेसंतोष्योको राजाराजसुवननइंविषइंगयो हवइंश्रीगालिसइंश्रीधर्मशोष
धविरनीदेशनासांसली वइंगगीधको एकेकीस्त्रीदिनप्रतिबामवामाणि यवेसुलजावहिनतावचनधीधनोव
हिनेवीपणिवेरागीपाम्योको आवीगालिसइंनइंतेमीबइंजणेश्रीमहावीरपासेदीझालीधी बहबठमा
दकडःकरतयकरतां सुंदरसकोमलशरीरहउं तेअत्यंतडुर्बलकीधुं इमबारवरसनेअंतरे एकवारश्रीम
हावीरराजगुहनयरेसमोसस्या तिवारेमासरवमणनेपारणेगालिसइं मोधरीजातांसगवंतनइंपूबकं
कहोस्वामीपारपुंआजकोहनेहाधिंदास्पइं लगवतइंकहं आजमातानइंहाधिंदास्ये तेसांसलीपाधरा
गया लज्ञामातानइंघरनेविषइं अतिडुर्बलशरीरइंकरी पोलीइंनोलया पाबावल्या आवतांयाबिलासवन
धनवतीमाताइंदहीवेवतां गालिसइंनेदेवीस्नेहजाग्यो सुहमानदहीवोरुगसुं आवीलगवंतनेपूबकं स
गवंतइंकहं वसपउलारीपाबिलासवनीमाताहती तेसांसलीइहापोकरतांजातिस्मरणउपउं पाबिलोल
वदीवो पवेतेहीदेउं पारपुंकरी वैलारगिरिपर्वतऊपरिंवनी बेजणेयादोयगमनअणगणकीधुं एकमहिना
ताइंमालीकालकरीसर्वाधीसिद्धिमानेदेवताधया तिलांधीववीमहाविदेहेमाहिंअवतरीचारित्रलेईकेवल

टीकरे एवात अलयक मारइं आदी राजानिंकही राजावली अत्यंत विसयग्राम्यो पढेयोतानोपरिवारलेई शा
लिलइतइधरेराजाआवो देवलोकसरिवांघरदेवीहर्षयांमतो लडासहितवोवामालताइंचव्यो तिहांतांमिश
कावढाआदेवीयांणीतीत्तांतिलययांमीऊतोरह्यो एतलिलखाइंआपुं सिंधासणतिहांराजावइवा एवेतडा
सातमीलूमिकोइंगई मानइंआवीतीदेवीशालिलइकवीउत्तोघई विनयधुर्वकमानेयगोलागो कहोमाताज २
आजएवमालगिंकिमयधामोबो तिवारेलडाकहइवसआपणेधरेराजाश्रेणिकमुफनेजोवाआव्यावे तेमा
टिंडुलोराजासूधीआवो तिवारेशालिलइकहइमाताजीमाहसंयुंकामवे उल्लोजिमजाणोतिमसुंदगुं
हगुलेईवमारेलरो तिवारेलडाबोली उवतेकयाणुनधी शालिलइकहइतोतेह्णवे तिवारेलडाकहइ पुत्र
जेहनीवववायाइवसीइबइं तेआणोताऊरमगधदेशनोधणीराजाश्रेणिकतेआवोवे तेरांरलीशालि
लइविचारे ऊंएहवीऊंदिनोधणीदेवतानालोगलोगहं अनेमाहरेमाधेपणिधणीवे तोमइंउतुंपुण्यकीकं
सासारमाहिंजेजीवतपसंयमनधीकरता तेउरुमधईअनइवलीउरुमनादासवाइंबइंजेमाटिऊंवाकरना
मधरावुं एराजानामधरावइवइ एहंजाणीचारिवलेवानोपरिणामधयो एवेमातानोउपरोधधी शालिल
इऊमरराजापासिंआवो राजादिवरूपदेवीवमकारणाम्यो स्नेहिंआलिंगीमोलइंवइसास्यो तेतलिमया
णीपरिवीधरीवामाम्यो आंविपाणीवहिवामासुं शरीरइंपसेवोधयोआकलोवावोमाम्यो तिवारिलडा
मौकोली माहाराजाएमाहरोपुत्रदेवतासंबंधीलोगिवधोवे तेमाटेमउष्यतोसासशरीरनोतापधमीतधीस
कतो तेमाटेएहनइंमूकोजिमयोतानीस्त्रीउपासेजाइंइमकह्योराजाइंआजादीधी एतलिपोतानाआवास
माह्यो पढइलडाइंदेवलोगनोवृत्तांतकलोराजाआगलिं पढेराजापरिवारसहितसोजतकरावावरा

पुत्रनोहइं तिवारइधनवतातेहनाधररांधी शालीमाहिंवीसी पुत्रनिजिमवइंसोराजापारासकाम्यो
इतेहनापुण्यतोयांयो मासरवमणनोपारणातीसाधआवो तेदेवीहर्षितविनइं तेसधलीइधीरसाधनिकार
रावी साधिंणलालजाणीबोहरी पढेशालीवाटतांदेवी माइवलीधीरधीमी मनमाहिंजाणुंजोउ एवालक
एवमीलूमिपेटमाहिंजराघइवे तेह्णीतेहनिंसंतोषहृष्टिलागी विसूचिकाधईमरणयांमी तेसाधनाधीरदान
नापणधकीराजमुहनगरनेविषे गोसइववहारीउ तेहनीलडानामिंस्त्रीतेहनीऊंघेअवतस्यो सुपनमा
हिंशालिउंघेवदीहं तेमाटेजन्मधयांशालिलइएहंनमदीकं अत्रुकमिंयौवनावस्वायाम्यो तिवारेपिता
इंसरूपसरधीवइंवत्रीसकन्यापरणावी तेसाधेसंसारनांसुखसोगवइवे एहवइयोतानोपितागोसइसेवअ
णसणधुर्वककालकरी सुधमैंडनोलेनारीधनददेवताधयो तीणेअवधितानेपोतानोपुत्रदीतो अत्यंतस्नेह
जाग्यो आवीदर्शनदीकं लडानेकहंजेशालिलइनिंलोगजोइवेतेऊं मरीस इमकहीदेवलोकिंगयो पढेदिन
धुतिंतेत्रीसपेटी देवतासंबंधीयांआअणअलंकारनीतेत्रीसपेटी देवतासंबंधीयावस्वनीतेत्रीसपेटी चआ
चंदन अगर अराजा फलप्रसुखनीतेवीसपेटी इमनवाणुपेटीदिनधुतिंआकाशधीउतरे तेवत्रीसस्त्रीसि
तशालिलइनेसोगआवइं प्रतातिंतेनिर्मोत्यकरीऊंआमाहिंनमइं बीजेदिनेवजीएरीतिंनवाणुपेटीआ
काशधीऊतरे अनेवलीसातलूमिआआवास तेदेवप्रताविंरत्रमणिजमितकस्या रत्नादिकसर्ववस्तुधर
माहिंररीइममउष्यधकोदेवतानालोगलोगवइंबइं एहवासमयतेविषे कोएकपरदेशीविणजाराव्यापा
रीसोलरत्रकंबललेईआव्यावे तीणेआवइंनगरेकेरवीराजानिंदेयाम्यो सवालाधसोनईआमूलसासल २

अतः तमुहगोजाणीराजाइपणिमलीकं विणजारावापारीविताउरधयां पश्चात्तापयामतानगरनिंगालदे
 ता शालितइनाश्वासदेविजाइवे एहवेनडाइगोविंदइतादीवादासीमोकलीतेनावा इतिवंकहोदीरा
 उलोतगरनिंगालिकाद्योतो तिवारिंविणजाराकहे सुंकरीइमाताजी अलेराजगहनगरमोहुजाणी सोल
 रत्नकंबललावाहता तेएकेरत्नकंबलकोणेतलीकं तिवारिलडाइकहं वीराउलेसोलजकांआणामा
 हरइवत्रीसजोइवे जेमाटेवत्रीसवजरोवे तिवारिंविणजाराकहइ माताजीसुंमसकरीकरोबो राजाइ
 एकनधीलेवाणुं तोबीजोऊणलेइसकइ इमकलांघकांआगलिधीधताणावीआपी रत्नकंबलफाम १
 अंधेइवत्रीसइवजरोनिं तेदेवतांवहिंवीआणां वजरोएगोल्हीपालमाहिंताणां विणजाराआश्चर्यप
 ॥मीगया एहवेविहणाराणीरत्नकंबलमाटइहवलेइराजानिकहइ एकमुकनेअपावो तिवारिराजाइ
 पोताताखरुममोकलीविणजारानीषवरिकरावी विणजाराकहइतेतोसोलरत्नकंबलशालितइनीमाइ
 लीधां राजपुरुषेतेवातआवीनेराजानिकही तिवारिराजाइनडानिकहिंवरायुं जेअलारइराणीहवले
 इरहीवे तेमाटेएकरत्नकंबलआपयो जिमतिमताणुं ससंयामसुं तिवारिलडाइकहिंवरायुं माहाराज १
 तेतोरत्नकंबलकटकाकरीपगोल्हीवक्रणपालमाहिंतापीदीधां तेवातसांसलीराजानेअणिकविस्मयया
 मोधको कहिवालागोजूतेशालितइउंमुषजेहनेएहवीकहिंवे अनइलाषतंकातांरत्नकंबलपगोल्ही
 पालमाहिंतावेवे इमकहीअत्यक्रमारनेलजानेधरेमोकल्या अत्यक्रमारेआवीकहिंनेमाताजी शालि
 लइनिराजाअणिकतेमेवे तिवारेलडाकहइ वसमाहरोपुत्रयणुं सुकुमालवे चंदमाहरोपुत्राजोइरावावरा
 तइ...

३६

उडिउत्रिगुणसमुद्रउत्रि जोनसहइजइयसंसे सोपरिहाइपरलाव जहामहापीठपीठरिसी ६८
 ॥महाविदेहक्षेत्रनेविषे वज्रनालनामावक्रवर्तिराज्यवांमीदीक्षाली श्री चौदशर्वनाथणी आचार्यधया तेहना
 लज्जमाताईध बाऊ सुबाऊ २पीठ ३ अनेमहापीठ ४ एव्यारेलाई एवज्जनालवक्रवर्तिसाधइदीक्षालीधीवे
 एव्यारइ अण्यारअंगनाधरणहारधया तेमाहिंबाऊसाध पांचसइयतीनिंआहारपाणीआणीआपइ बीजो
 सुबाऊसाध पांचसेयतीनिंपगदांपवापसुखवीसामणवेयावचकरइ बीजाइलाईसाध पीठ अनेमहापीठ
 तपसआयकरइ एकवारबाऊसुबाऊनागुणतीगुरेप्रसंसाकरी जूतबाऊएकलोपांचसिसाधनिलातपाण १
 आणीआपइबइ अनेसुबाऊपांचसेउंवेयावचकरइबइ इत्यादिकप्रसंसाकीधी तेसांसली पीठमहापी
 वनामनमाहिअदेवाईकपनी पोतातामनसाधइकहइजुतगुसनीअविावकाइहजीताइराजसत्तावब
 रमतानधी जेमाटइपोताउंवेयावचवाकरीकरइ सातपाणीआणीआपइ तेहनइअलेबइता २तपसआ
 यकरुंवे तेहनिंनधीवषाणतां इमतमाहिअदेवाईधरता वारिवपाली अतेअणसणआलोई पांचेजण
 कालकरी सर्वाधिसिद्धि विमानिंदेवताधया तिहांवीववी वज्रनालवक्रवर्तिनोजीव श्रीरुषतदेवधया
 अतइबाऊनोजीवतरतवक्रवर्तिधयो साधनिंआहारआणीआपामाटइ बरबंमनोसोगपामो अनेसु
 बाऊनोजीववेयावचकसुधकीबाऊबलमहाबलवंतधयो अतइपीठमहापीठनाजीवअदेवाईकर १

मादि बाली सुंदरी धयो धुर धवेदवेदी स्त्री वेदपाम्पा इमबीजा इजे नीव आगिला नावता गुण नी प्रसंसाकर
तां अर्धे धाई करइ मसरकरइ मनमाहिं धरइ तेपीठमहापीठनी परिहीनयणंइ तेमादि विवेकी मनुष्यइ
मसरन करवो एपीठमहापीठनी कथा एवइ परनिंदा करइ उमद करइ पारकी लक्ष्मी दोलतिं देवी दाऊइ
मसरधरइ एहवोक पायरावे तेऊपरिकरइ ते

परपरिवायंक परनाश्र वर्षावा दपरनाश्र वपुण गिज्ञाईक ग्रहं लीइ बो लइ	अष्टक आठमयक मदतेरुं विरल गेक विस्तरुं तेने विषइ सयाक स देवनिताइ रमइक रमइरतिकरइ जा ति लाल अल अरु पध बल पजानइ नय लक्ष्मी एण अवमद	मझइयक दाऊइ बले वली मरक परबीजा नी सिरीएक लक्ष्मी देवी नइ	सकसाउक एहवोक पाये करी सहीत ऊइ तेइ रिकउक डरि उहोइ निचुंक नित्ये सदेव हवे तेह नइ परलोक न फलक हइ ते इए	विगाइक विग्रह सु धकरवा
--	--	--	---	------------------------------

परपरिवायं गिज्ञाई अष्टमय विरल गण सयारमइ मझइय परसिरीए सकसाउ रिकउ निचुं इए विगा

नइ विषइ विवाय क विवाद वदावा मइ विषइ सुइणो स विवइ जेहनइ एहवोत	अलक अलना मिंदादिक ते धिको गणक गज्जण अल ते धिको संघेणक चउवि ध संघ ते धिकी बाहिर कयस्सक बाहि र की को बाहिर काटो एहवो होइ तेहनइ	नञ्जीक नधी किरक नशुय देवलो एविक दे वलोक माहिं पणि गया ऊंतां किं चि धिया देउ देवता माहिं अवतरइ तेमाउइ	देव समिइ सुक देवतानइ सत्ता नइ विषइ अवगा सोक अवकाश प्रवेश करी नसकइ	एतो मसर लगे अण कंता पण या दोष जे बोले ते आ श्री कहि उहवे जेवता को लेतेह आश्रि दो
--	---	---	--	---

३२

यक देवइ

दविवाय सुइणो अलगण संघेण बाहिर कयस्स नञ्जिकिर दो वलो ए देव समिइ सु अवगा सो उउ अइता

नवाइक गुरुता अवसंवाद बोलइ सयं मइक पोतानी मते वालइ गुरुनी आजाइ नवाले ववलाक बोलता बालतां वप लहोइ	वेकाक चरुतेश्वर पइ मन ववन कायाइ बाका होइ को हणक निरंतर को धनोज सीलाक आचार होइ एतले कोधी होइ	शिष्य तेउ देवगाक उद्देग नाकरण होइ होइ	गुरुताक गुरुनि तेउ खदाइ जिक होइ	गुरुने विषे ननजीक बासल किं नही उडी वधाउ आस नदे देइत्यादिक विनयन	होइ वज मा लोक
--	---	---	--	---	------------------

दन्नवाई सयं मइ ववला वंका को हण सीला सीसा उववगा गुरुणो उध जस्स गुरुं मिन नती नयव

बजमान अंतरंग हीयानी सक्ति तेन गउर वंका एवज्जवना एहउ गोवत होइ नलयक अकार्य करतां गुरु नो लय नही	नविल छाक गुरुनी लाजन ही नविक नही नेहो क गुरु उपरि स्नेह मोह तेन ही	गुरु अलक गुरु नइ कइ वासे णक वसतइ रहतइ किंक स याइ तस्सक ते शिष्य ने काइक लनघाइ एलाव	ससइक रीसाइ को धयामइ वोइ छे नोक हित शिष्या वहइक वहइ
--	---	---	---

ऊमाणी नगउर वंनलय नविल छान विनेसो गुरु कल वासेणे कितस्स उध रुसणी वोइ छे तो वहइय

धरइ वली हीयणक हीयामा ए अणु सयं क को ध प्रति सणि क बोला बोध को	नयक नकरइ नावइ कहिं क किं स्ये करणि छे क गुरुने काम काजइ अववा बीजा को ई नइ काम नावइ	गुरुं स्सक गुरु नो एहवो शिष्य होइ ते आलो अक आल नो अ पज सनो देण हारक होइ न सो नही ते सीसा क शिष्य पतले तेह नइ क शिष्य क हीइ	एहवइ सु शिष्य उं स्वरूप क हइ ते अधि हणक दोष ने पगट करइ वे लजाव वर करी स अणक दोष ने वव ने करी सूचव वंती गे करी परि सवेहिक मरा नवउ कर वंती गे क
---	---	--	---

दियण अण सयं सणिउ नयक लिं करणि छे गुरु स्स आलो न सो सी सो उध उधि हण स्स अण

विदेकी या होइ रमइ मीत न नगाय प्रकरता मोहा थइ अने निविदेकी या ने तप को श

जिह्वासीदेहरेवधिरामकक्षमायरइ... जातंउणोविकंधई परस्सवसेणेणसोडहिउ ७१ सुह

उद्यमालोक उद्यमक रतोऊइ तपसंयम क्रियानइविषइ	पंचेकक तेहनिपपावकोली नश्मकरंतिक करइ सुकरे रित्तयंक रीतोवालोकरे तपसं ममक्रियागमामइ समणक अमणयतीने तेकोहा पावबोल तकहइकर	अण्णकईक पोतानागु णनीस्ततिप्रसेसाप रतिंदाक पारकायुण नीनिंछा२	जिज्ञोक जीनपावाबोलवाच्या श्रिवत्थनरायइ उउवचाक उय स्वधरुषस्त्रीउविन्न तेवत्थनकरे मैसुनसेववइय कसायायक चा रकमाय कोध मान माया लोस ते करतीप	परपरिवायक पा रकाअवसंवादपा रकादोमबोलवाने विषइ मइउक म विमनतेजेइउ
--	---	--	---	--

विउद्यवमाणं पंचकरंतिरित्तयंसमणं अण्णंउईपरतिंदा जिज्ञोवचाकसायाय ७२ परपरिवाय

परायाअवर्णवादतोविशेषदोषकहइवे	दसइक डवीइउपदीजइवयणे हिक ववनेकरीनइ जे हिइजेणिपरक पर बीजानि	तेतेक तेतेतिंछानोकरणहार पोते पावइक पावइयामइ दो सेक दोषवतइ	परपरिवाइइक पारकादोष नोबोलणहारोमाहायमीते माइइ अण्णिको अण्णदेव वायोग्यदेववायोग्यनही	हवइउर्विनीतशिष्यनादोषकहे ते धका जेशिष्यस्तसुलोइअण्णं कारइकरीनमइनही विदयेही क गुसनाविइदोषजोइ अव
------------------------------	--	---	--	--

मइउ इमइवयणेहिंजेहिंजेहिंपरं तेतेपावइदोसे परपरिवाइइअण्णिको ७३ धकाविदयेही अ

वातकहइवे वकायक धवी अण्ण तउवाय नममणि	हिसग सचाइ हिसा शास्त्रे लवइकरीनइ	उत्ता करीउक लोणणिक बो	सुवइ हरीक सुविदियाक सुवि हितलालेइते	नक नहीवेवक निश्चयतिंद तिक सेदेपालटइनही सुहरा गंक सुधनोरागतलेकालसु हानघाइ तेहनेसुशिष्यकही	माहो लोणविक इजावि कनामा नीइजीको तोहइपणिइ
---	--	--------------------------	---	---	---

रित्तविहिं अईलणियउठलणिएहिं सत्तादियासुविदिया नाववसिंदेतीसुहरागं ७४ माणसिणा

अवमाणक अपमा नपरालव	वंचणाक वंचनावगहुं ते तेयतीमोटागिरुअइयका परस्सक परनिबीजानिनकरं ति नकरेकांतकरेएनलामादे	सुह सुवत्थन उरक ड धपाय गिरणहंके तेहउं वेदुंतेहसणी होइ	साहुउक साध अहिबक स सुधनीपरेगंतीराक गंतीरहो	मउयाक सुकमालअइका रहीत निजअस
-----------------------	---	---	---	-----------------------------------

विअवमाण वंचणातपरस्सनकरंति सुहउरकगिरणहं साहुउअहिबगंतीरा ७५ मउअनि

हावाक शांतस्वताव संसारनायापार हितमन	हासक सामान्यपणेहसहंदवक धस हंतीआकरीहसहं विवधियाक ती णेकरीरहित विगहक धविकधादेशा जस्वीनकक न एणकनेवका रहीतइसा	असमंजसक आलपंपाल उद्योमोएकएकनिनमिले एहवाववुनमइबजअक अतिघणावचन	नसणतिक नकहइनबोलइ अप्रविद्याक अण्णसवइसाह साधयतीसबाधकोएहदेकह इतकहइकर	मविकसा विवासाक वरम सधिका
---	--	--	---	-----------------------------------

ऊअसहावा हासदवविवधियाविगहसुका असमंजसमइबजअं नलणंतिअप्रविद्यासाक ७६

मऊरंक मीवुंआगत्या नेहवीवपजे निउणक मा होवउराइसहीतघोडते घणुनहा	कथावमिअक कार्यपमेतिवारकोई कइतेतो अगवियक गवरीहीतपो तानोगर्वनबोले मउउं तोवहुंनही उकारारहित	उच्चिक पहिलापावित्या वचनमइसंकलियंक म तिसकितएकएकनिनि लइ जूवानपमइ	एहवाववुनतिक कइइबोले तेजे जेवचनधम्मसंभुतेक धम्मसहीतसावधयापाररहा तएहववचनबोलइ	मविकसा विवासाक वरम सधिका
---	---	--	---	-----------------------------------

मऊरंतिवणंशोव कथावमिअअगवियमउउं उच्चिमइसंकलियं लणंतिजंधम्मसंभुते
विवेकीयाहोइतेइमसर्वप्रकारेयनकरतामीहसाधइ अनेनिविवेकीयानेतमकेइ

सहस्राक्ष-हजार निर्विकल-एक-द्वि-त्रि-यादिक-नीय-त-ना-विना-घण्ट-त-य-तुं-कर-इ-य-णि-घो-ड-फ-ल-घा-इ-ते-उ-परि-ना-म-लि-ता-प-स-नो-ह-त-दे-मा-मे
 व-ब-ह-उ-प-र-णे-ए-त-सि-म-र-ख-लो-क-ती-न-सा-ता-ए-त-ले-अ-पु-वि-क-क-ए-ह-उं-अ-व-स्फ-अ-ज्ञा-त-वो-त्रि-अ-ज्ञा-त-त-प-ज्ञा-न-र-इ-हो-म-लि-ता
 ले-सा-वि-ह-ज-र-२१-वा-र-उ-द-ए-ण-क-या-ली-इ-क-री-धो-की-ह-ता-म-लि-ण-क-ता-म-ली-ही-न-ए-क-द्वि-या-दि-क-जी-व-नी-द-या-न-जा-प-र-नी-क-या-ल
 व-र-स-ल-गे-ए-ण-क-धो-इ-ने-मा-इ-नि-ह-ता-से-वि-ता-प-स-ध-या-ध-व-र-णी-ते-मा-ट-इ-अ-प-क-अ-ल-य-धो-ड-फ-लो-यो-इ-व-इ
 फ-ल-य-क-र-ज्ञा-न-दे-व-लो-के-ज-ग-यो-क-ल-य-क-र-ज्ञा-न-दे-व-लो-के-ज-ग-यो

सहस्रा तिसत्ररकुतोदणधोएण अपुविन्नतामलिणा अज्ञातवोत्रिअपफलो ५१ अत्रकथा

॥ नामलिपितगरीनइविषइ तामलिनामातासेववसइवे तीणेएकवारवेराग्यपामी पुत्रनिघरतारसुपी ताय
 सीदीझालीधी तहजनगरनइमासिनदीसेतेरुनेकांवेरहइवे बहउपारणुकरइ पारणइयोताताआहारप्र
 माण एकमात्रासुं बइ तेसीझामागीलरीत्यावइ तेहनाआरसागकरइ एकसागजलचरजीवमआदिकनि
 आपइ बीजोसागधलचरजीवकृतिरादिकनिआपइ त्रीजोसागरवेचरजीव कामनादिकपंवीनिआपइ वो
 शोतागरहइते एकवीसवारनदीमाहिंयाणी सुधोइ पवेबहउपारणइयाइ इमसाविहजारवरसलगि एवहु
 तपुंकेककीकं अंतिअणसणकीकं तिवाविंवलवंधाराजभानीनादेवताएआवीनइकलं स्वामीनिआ
 पुंकरिअलारइइइयाहुं जेमाटइअलारइइइकोनधी एहउंकरिउं तोहइयणितेदेवताउंउंवनतेतापसे
 तमासुं नियाणुंतकसं पवेअल्यकयाइमाटे अत्रकंयाकसामाटे कालकरीईशानदेवलोकिंदेईशानेइ
 धयो समकीतलाधं जोबकायतीदयासहीतएवमोतपकष्टरतोमोहीजातो अनइजोअल्यकयाईपुं
 नहोततोएतलुंणितणंमत डुगीतिजपंमत तेमाटइअज्ञानतपुंकेकधोडुंफल इमजाणीज्ञातीपुरुषेशोना
 इतपजीवदयाज्ञानसहीतकरवो एतामलीतापसकथा ए२१मीकथा मिआचीतोतपतेअल्यफलदाइहोइ

वातकहइवे हिंसा सञ्चाइ उवइसातक-उयदेसे सुवज्जाप तव-किल-अज्ञानतपस्तीए लयफलअधवा न-चारधवा
 वकायक-धुवी अण हिंसा शास्त्रते दोनइलोकाआग क-यणी तप क-किले अज्ञानतपस्तीए लयफलअधवा न-चारधवा
 तववासुवनस्यतिवसए ना हनइ लइकहइ उणोक-धणोयण नो नकरइ वातेहनातपुंके उगीतिजफलइ सा-साधवीय-अ
 वकायनावहगा-वधनाक वली = अज्ञातमाटइ अज्ञातमाटइ क-क

बझीवकायवहगा देसगसञ्चाइउवइसंतिपुणो सुवज्जंयितवकिलसो बालतवस्सीणअपफलो ५२ ए

नोधोमोइतपवज्जफलमोहफलहोइतेहकारणलणीकहइवे तोक-तेमाटेजिणक-जिनवी सहंतिक-सहइधमइ बज्जअसक-धणासा
 पयियांअंतिक-जालेजेत जइअंअक-अधस्वितसाअंअवि तरागदेवतेहनाविहंनूक-मान्यनीवलोकाडुर्वचनादिकउपसर्पबज्ज
 साधलोइतेसंवेक तहंके-जेहंलोइतेहंअसंदिह-विधिमारजालतामका॥ आइक-धणाधमइ तेमाटितेहंनोतपधणाफ
 सर्वजीवाजीवादिकप संदेहरहित वयणक-वधतेसिद्धाततेहना नइऊइ ज

रियच्चतियसवं जइअंअवितहंअसंदिहं ताजिणवयणविहंनूं सहंतिवज्जअसबज्जआ ५३ जा

तोमरुवलोकाअज्ञानतपस्तीनेकांइमानियवातकहइवे वरणीक-वाधिणबावेक सहंके-सइकलोलोसज्जनिंमुख मणिक-मणिवंजकां वेतिमअज्ञान
 जोक-जेजसक-जेनेवहएक-वनेइरइइहियएक-ही बालबावानइजणणी हेउसोमंव-वलीसोमवातिवस तप्रसुधकणग-सुव ज्ञानकइकरे
 यानइविषइ मोक-तेहनइ वावेइ-मलो सुंदरसहावा क-माता तिणहोमनेई-मानेजालेपणिइम लरयण-रत्तकके इमनजाणइते
 विषइ स्वभावधामे स्वभावमाने नजालेजेहधियादिकजीवनेमारे तनादिक कायविराकंहुं
 एताव ५४

जसवहएहियए सातंवावइसुंदरसहावं वरणीछावंजणणी सहंसांमंभमानइ ५४ मणिकणगरय

धणक-गायलिसधुप सवणमिक-धरकोहउंशा अत्रोक-अन्यवीजोकिरक-निश्च जाउक-जावययोविगयक-नकरंति-
 धुरयमिक-तिणेससं लिलहोविक-शालिसइ यमअविक-माररेमाधे सामिउत्ति रहितस्याधिको कामोक-नरइ
 धसंके उंएहवइतइ मणिसं क-स्वामीठाऊरवइएहउंविवार कामतोमधिकोस्त्रीवां मवीमोमी

णधणधूरियमि सवणमिसालिसहोवि अत्रोकिरमअविसामिउत्ति जाउविगयकामो ५५ नकरंति

आदिजेमनुष्य तवक-त तव-तेम उरिसासमक-उरिससरी अवसक अवस्येमेसत्रणक-दा सुदरक-लुवे
 प१२लेदेसंयमेव-वली धावरावरदेतलिक-हवपा बाधाइवइतेपडेपुरिसाण- सपणु सेवकपणाधते अवतिक- रुपजेहव
 सेमम१२प्रकारे याणक-पगवेजेहनाएह उरिसनाजपणालिजवि चारेहे श्रेणिकमां अनेउक पामइ एहवविचारीदीक्षालीधी

रनवीअ-
 राजाकुंसेवक-
 तोनोतपन-
 धो

तजतदसंयमेव ततुह्वणणिमायाणं उरिसासमउरिसाणं अवस्यसत्रणमुदिति ८६ सुदरसु

कुमालक-सुकोमलबइ विविहेहिक-विविधप्रकारने तरु-तिमसोसविउक- जहक-जिमनविनाहोक- नजाण्योनोलयोसत
 शरीरजेहउं सुहोइएणक- बइअइमारिक-तवक-तव शोषयोइवलोकीधो वणेविक-पोतानइधरेआयोअंतोपणिमाता
 सुखीइप्रकइ विसेसेहिक-विशेषेकरीने अप्पाक-पोतानोआ इयिस्त्रीइनोलयोएनाव

कुमालसुहोइएण विविहेहिक-तवविसेसेहिं तदसोसविउअप्पा जहनदिनाउसलणदि ८७ अवक-

॥ एवइअलितइनोपा विलोसवक इइवइ राजगृहनगरनइपासे एकेगामिं धनोएहवेनामिंआहीरवसइ
 वइ तेहनीधनवतीनामिस्त्रीडे तेहनोसंगमोएहवेनामिंवेतोडे तेबालकपणेजिपिताधनोआहीरमरणयामे १
 तिचारिधनवतीतेबालकनिलेइराजगृहनगरनेविषेआवी तिलोतेसंगमोबालक लोकनांवावरुआचारइ
 इमडधिपोतानीपेटलराईकरेहे एहवेएकवारइइमहोसवनइ विषइ धरेश्वीरधामलोजनकरतो लोकनि
 देधी संगमागोवालीयानिंधीरनीइआऊपनी धरेआवीमातेककं तिचारिधनवतीकइइपुत्र हववोषापाषइ
 धीरस्यानीकरं बालकइवलेइरलोतिचारिधनवतीइमनमाहिंदीतयुं जूउमाहरोलत्रोरमरणयामो अलेति
 ईनधयांणारकाधरनीमजूरीकरीपेटलरउं अनइएपुत्रधरनीविधिकीसीइजाणतोतधी इवपाषइइधवोषा
 धामधीकिहोधीलाहुं इममनमाहिंइरकआणीरोवामासुं तेहनीरोतीसांलली पामामाहिंलीपामोसलिस्त्री
 उअवीबालकनिंधीरनीइआनोहनांतजाणीअउकंपाअणी एकस्त्रीइधल्यावी एकस्त्रीवोवाल्यावी एक

रइजाणुंजोसहि साकारइवारणांकधमावसुं तोएमनमाहिंलाजस्यइ संकायांमस्यइ इमजांणीमोटइसादइ
 निसीहीउकही तेसांललीगुरुआव्याजाणीलकलाधवीकलाइ अतावली२ऊपधिंतांमिंसेकी कमामऊधाम १
 गुरुनीसेवाकरवामामी गुरुंजाणुंयपुरुषरत्नमाहिं एवउंजांनवइ तोरषेएहउंजांनअजाणुंजाइ इमवीतवी
 बीजादिवसनइविषइ सीहगिरीआचार्यकोएक कामउहेसीबीजागामनइविषइ विहारकरवामामो तिवा
 रिसाकएकहिउंस्वामी उलोसिद्धिकरोतोएणि अलनिंवाचनाऊंणदेस्यइ तिचारिंसीहगिरीआचार्यकइ
 इ एवयरवेलोउलनिंवाचनादेस्यइ इमकहीगुरुबीजइगामिंगया शिष्येगुरुउंवचनतइतिकरीमासुं एणि
 इमनविवासुंजेएवेलोसुंवाचनादेस्यइ एवइवयरवेलापासिंसिधोतनीवाचनालीधी विशेषेसणउंवासुं वि
 हारकरीगुरुआव्यातिचारिंशिष्योनिंइविउं कांउल्लारइलणउंवासुं तिचारिंशिष्येकहिउं हस्वामीविशेषिंध
 णादिवसउंलणउंधोमइदिवसेलणा तेमाटिंअलनिंएहजवाचनाचार्यकरीआपो एवइयोगवहिरावीआ
 चार्यपदआणुं वाचनाचार्यकीधा जिमसीहगिरीआचार्यनेशिष्ये गुरुनावचननोसंदेहनाण्यो तिमबीजेपणि
 गुरुनावचननइविषइसंदेहनाणवो एसिहगिरिआचार्यनासुशिष्योनीकथा एइमीकथा वलीसुशिष्यहोइ
 तेगुरुउंवचनसंदेहरीततकालप्रमाणकरइ करवायोग्यनोइइतेहेएवातकइइवइ

मिलक-गुरुकइइवेलाम गणोहिक-गणिसापनांवाक- इच्छतिक-इच्छतहति कछंउक-कार्यतोवलीतएव
 यमाधिगोणक-सर्पनिंसे अथवादेतक-दातनावकला एहइ साणिअणक- क-तेगुरुजाणतिक-जाणइ
 करी अगुलीहिक-आंग इक-वाकलाइइइयसिकहिं कलिहकहीवचनप्र एहइविचारीसुशिष्यइविने
 लेकरीनइ धकइसेक-तेशिष्य माणकरहे वनकरवोगुरुकइइतेहो

तदत-... सेइछ-... निकणं कछंउतएवजाणति एध वली

आदिजमनुष्य तवकृत तेक तेम उडिक सगि उरिसासमक मणिपणी अवसक
प१२ लेदेसयमव वली भावराव गेपिण्ड हामणा बाप... प्रभे देव

१२ कदवस - ३
कोलेनाम - संवाकल

271